सुविचार

अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक
गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ।।

निष्पक्ष कलम निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्ष: 18 | अंक: 9 | पेज: 8 | मूल्य 01 रु. | जयपुर, रविवार 6 अगस्त, 2023 | Email: garibonkasitara@gmail.com

जयपुर के राजनीतिक गलियारों और शासन सचिवालय में भी फिल्म के हो रहे चर्चे

विधायक अवाना की 'नदबई विकास यात्रा' फिल्म सुपर-डुपर हिट

नदबई के लोगों का हो रहा है 'फुल एंटरटेनमेंट' ले रहे सुविधाएं

जोगेंद्र सिंह अवाना

भरतपुर संभाग अब तक का रिकॉर्ड टूटा

विधायक का रिपोर्ट कार्ड बता रहे आकड़े

फिल्म के निमार्ता सीएम गहलोत की हो गई 'चांदी'

सितारा न्यूज नेटवर्क

भरतपुर/जयपुर । प्रदेश के भरतपुर संभाग में जोगेंद्र सिंह अवाना की ओर से निर्देशित की गई। फिल्म "नदबई विकास यात्रा" ने भारत की आजादी के बाद सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले, नदबई के लोग इस फिल्म को खूब एंजॉय कर रहे हैं, नदबई के हर जाति और बिरादरी के लोगों के दिलों को इस फिल्म में रोमांचित करके रख दिया है, चाहे स्कूली छात्र हो या फिर कॉलेज छात्र, चाहे गरीब हो या फिर अमीर, चाहे किसान हो या व्यापारी, चाहे युवा हो या फिर बुजुर्ग हर कोई "नदबई विकास यात्रा" फिल्म की झलक देखकर काफी खुश और उत्साहित नजर आ रहा है जिसकी वजह से फिल्म के निमार्ता सीएम अशोक गहलोत की भी काफी "चांदी" हो गई है, गहलोत ही नहीं बल्कि पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा सहित प्रदेश कांग्रेस के तमाम रणनीतिकार अवाना की ओर से निर्देशित की गई इस फिल्म के पब्लिक रिस्पांस से मान बैठे हैं कि नदबई विधानसभा सीट फिर से कांग्रेस के खाते में ही आएगी, हालांकि अभी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की गई है लेकिन अवाना की इस सुपर डुपर फिल्म से मिले पब्लिक रिस्पांस से कांग्रेस पार्टी निश्चित रूप से आगामी विधानसभा चुनाव में अवाना को ही चुनाव मैदान में उतारने का पूरा मन बना चुकी है, "नदबई विकास यात्रा" फिल्म को देखने के बाद उत्साही को रोमांचित नदबई के लोगों के जेहन में एक बड़ा सवाल तैर रहा है कि क्या अवाना "नदबई विकास यात्रा टू" का भी निर्देशन करेंगे ? भले ही नदबई के लोग "नदबई विकास यात्रा-2" का ख्वाब अभी से सजाए हुए हो लेकिन हकीकत यह भी है कि जब तक आगामी विधानसभा चुनाव में जोगेंद्र सिंह अवाना दोबारा से निर्वाचित नहीं होंगे तब तक "नदबई विकास यात्रा टू"फिल्म बनने के कोई चांस भी नजर नहीं आ रहे इसलिए अब यह नदबई के लोगों पर ही निर्भर है कि वे "नदबई विकास यात्रा टू" फिल्म के बनने को लेकर कितना सजग और गंभीर है क्योंकि अवाना को दुबारा से विधायक बनाना नदबई के लोगों के हाथों में ही है, फिलहाल नदबई से कौन जीतेगा, इस सवाल का जवाब आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजों से ही मिल पाएगा लेकिन इतना जरूर है विगत 5 सालों में नदबई विधानसभा क्षेत्र में हर विभाग और क्षेत्र में जो ताबड़तोड़ विकास काम हुए उसे नदबई में विराजमान विरोधी दलों के छोटे बड़े सभी नेता अंदर के दिल से तो स्वीकार करते हैं और यह मानते भी हैं कि नदबई की काया और दिशा पलटने में अवाना ने अपनी ओर से कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी, विरोधी दलों के नेता राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के चलते बाहरी तौर पर राजनीतिक दांवपेच खेलते हुए प्रदेश की गहलोत सरकार और विधायक अवाना की कार्यशैली और व्यवहार पर कई तरह के सवाल खड़े कर रहे हैं लेकिन विरोधी दलों के इन सवालों को अवाना की "नदबई विकास यात्रा" फिल्म अपने आप ही निष्क्रिय कर रही है।

पब्लिक की अब डिमांड : अवाना 'नदबई विकास यात्रा-2' फिल्म का भी करें निर्माण

'नदबई विकास यात्रा फिल्म' के निर्माण में निमार्ता सीएम अशोक गहलोत ने दिल खोलकर पैसे खर्च किए

हालांकि "नदबई विकास यात्रा" फिल्म की पटकथा खुद जोगिंदर सिंह अवाना ने लिखी, फिल्म का बेमिसाल और शानदार निर्देशन की अवाना ने किया लेकिन इस फिल्म के निर्माण में फिल्म निमार्ता सीएम अशोक गहलोत ने सरकार की तिजोरी के दरवाजे पूरी तरह से खोल दिए, गहलोत ने दिल खोलकर नदबई विधानसभा क्षेत्र में हर विभाग और क्षेत्र में विकास कामों के लिए भारी-भरकम राशि मंजूर की, अवाना अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए जब भी मुख्यमंत्री के दफ्तर और मुख्यमंत्री आवास पर डिमांड लेकर पहुंचे उस डिमांड को गहलोत ने आंख मूंद कर स्वीकार किया जिसके परिणाम स्वरूप वर्षों से कई भीषण समस्याओं से जूझ रहा नदबई विधानसभा क्षेत्र विकास के ट्रैक पर बुलेट ट्रेन की तरह विगत 5 साल में दौड़ता हुआ नजर आया, राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि अगर अवाना की जगह और कोई यहां विधायक चुनकर आता तो नदबई के हालातों में ज्यादा सुधार बिल्कुल भी नहीं होता क्योंकि आजादी के बाद से ही नदबई विधानसभा क्षेत्र के अधिकांश इलाकों में आधारभूत और मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित थे जिसमें उच्चैन इलाका तो पूरी तरह से विकास की दृष्टि से पिछड़ा हुआ था लेकिन अब यहां भी स्थानीय लोग नए कल्चर और कलेवर में अपने सुनहरे जीवन की ओर तेजी से कदम बढ़ाने लगे हां जी इसलिए यह मानना ही पड़ेगा कि "नदबई विकास यात्रा" फिल्म के निमार्ता अशोक गहलोत ने भी फिल्म निर्माण में कभी भी पैसों की कमी नहीं आने दी।

सितारा न्यूज नेटवर्क पालिटिक्स बिग स्टोरी गरीबों का सितारा सितारा न्यूज नेटवर्क

महज 5 साल के कठिन और मुश्किल भरे समय में 'नदबई विकास यात्रा' फिल्म का निर्माण करना साहसिक कार्य

जग जाहिर है प्रदेश की गहलोत सरकार के पिछले 5 साल काफी कठिन और विपरीत हालातों वाले रहे, इन 5 सालों में करीब 3 साल तो कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गए, कई महीनो तक लॉकडाउन के हालात रहे, प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई, कई दिनों तक गहलोत सरकार के अस्तित्व पर संकट के बादल भी छाए, प्रदेश में कांग्रेस की सरकार विपक्षी दलों की बजाय अपनों से कई दिनों जूझती रही, ऐसे विपरीत हालातों में नदबई विधायक और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना की ओर से नदबई विधानसभा क्षेत्र में हर विभाग और क्षेत्र में करोड़ों अरबों रुपए के नए-नए विकास काम संपादित करवाएं, हर बजट में अवाना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए अन्य विधायकों की तुलना में हमेशा सबसे ज्यादा नए-नए विकास कामों की मंजूरी लेने में कामयाब रहे जिसकी वजह से नदबई विधानसभा क्षेत्र में आजादी के बाद से लंबित चली आ रही मूलभूत और आधारभूत समस्याओं का निवारण हुआ, हालांकि भरतपुर जिले की राजनीति में आजादी के बाद से ही जातिवाद पूरी तरह से हावी रहा जिसकी वजह से प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में भरतपुर जिले का समुचित विकास नहीं हो पाया जिसमें नदबई विधानसभा क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा लेकिन अवाना ने काफी हिम्मत, धैर्य और हौसला रखते हुए नदबई की काया और दिशा बदलने का जो संकल्प राजस्थान विधानसभा में विधायक पद का शपथ लेते समय लिया था उस संकल्प को अवाना ने साकार करके दिखाया, राही काफी कठिन और चुनौती भरी थी लेकिन 5 साल के कड़े संघर्ष, त्याग और तपस्या से अवाना ने आखिरकार "नदबई विकास यात्रा"फिल्म का सफल और शानदार निर्देशन करके प्रदेश के राजनीतिक पंडितों को भी अचरज में डाल दिया।

शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, राजस्व, पुलिस, कानून व्यवस्था सहित हर विभाग और क्षेत्र में पूरे 5 साल तक होते रहे ताबड़तोड़ विकास काम

विगत 5 साल में नदबई विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, पानी बिजली सड़क,कृषि, पुलिस, कानून व्यवस्था, उद्योग सहित सभी विभागों और क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर नए-नए विकास काम संपादित हुए, हर विभाग और हर क्षेत्र में करोड़ों रुपए की विकास योजनाएं धरातल पर आई, विगत कई सालों से लंबित सड़कों का निर्माण हुआ, बड़ी संख्या में स्कूल क्रमोन्नत हुए, बड़ी संख्या में इंग्लिश सरकारी स्कूलों का शुभारंभ हुआ, छात्राओं के लिए कॉलेज खुले, नदबई में उप जिला अस्पताल खोला गया, सरकारी चिकित्सा संस्थान बड़ी संख्या मे क्रमोन्नत किए गए पशुओं के लिए भी जरूरत के मुताबिक चिकित्सालय खोले गए, 5 साल पहले उच्चैन ग्राम पंचायत तक सीमित था उच्चैन में 5 साल में उच्चैन नगर पालिका का गठन हुआ, उच्चैन में पंचायत समिति का उदय हुआ, उच्चैन में पुरुष और महिलाओं के लिए कॉलेज खोले गए, उच्चैन में उपखंड कार्यालय की स्थापना हुई, उच्चैन में डीवाईएसपी कार्यालय की स्थापना हुई, विगत 5 सालों में उच्चैन में करीब तीन दर्जन से ज्यादा नए सरकारी कार्यालय खुले हैं, इन सब ताबड़तोड़ विकास कामों की कल्पना नदबई और उच्चैन के लोगों ने कभी सपने में भी नहीं की थी लेकिन यह अवाना की कड़ी मेहनत और उनकी कार्यशैली का ही परिणाम है कि अवाना ने "अनहोनी" को "होनी" कर-के दिखाया।

बेटे प्रधान हिमांशु अवाना का भी मिला पूरा सहयोग

उच्चैन पंचायत समिति के प्रधान पद की भूमिका को बखूबी से निभाया

यह जोगिंदर सिंह अवाना की मेहनत का ही परिणाम है कि उज्जैन को पंचायत समिति का दर्जा मिला और फिर इस नवगठित पंचायत समिति के प्रधान पद पर हिमांशु अवाना का निर्विरोध निर्वाचन हुआ, हालांकि हिमांशु के निर्वाचन में उनके पिता की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता लेकिन यह भी सत्य है कि पंचायत समिति के प्रधान पद पर विराजमान होने के बाद अवाना ने पंचायत समिति की प्रत्येक ग्राम पंचायत की दशा और दिशा बदलने में अपनी ओर से कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी, हिमांशु अवाना का सपना है कि उनके क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत मॉडर्न पंचायत के रूप में स्थापित हो और इसके लिए उन्होंने अपने पिता और स्थानीय विधायक जोगेंद्र सिंह अवाना पर लगातार दबाव बनाए रखा उसी का परिणाम है कि पंचायत समिति की सभी ग्राम पंचायत में व्यापक पैमाने पर विकास काम किया, गांव की हालत और दिशा सुधारने में हिमांशु अवाना भी अपने पिता की तरह विगत 5 साल में कड़ी मेहनत करते हुए दिखे, हिमांशु अवाना के बारे में जन चर्चा है कि भले ही उन्होंने हाई प्रोफाइल पढ़ाई दिल्ली में पड़ी हो और एक प्रतिष्ठित परिवार में उनका जन्म हुआ हो लेकिन वे ग्रामीण जनता की भलाई और गांव के विकास के लिए पूरे 5 साल पूरी तरह से समर्पित नजर आए, बेटे को क्षेत्र के विकास के लिए खून पसीना बहता हुआ देखकर पिता जोगिंदर सिंह अवाना खुद को गौरवान्वित भी महसूस कर रहे हैं, जन चर्चा है कि उज्जैन में जो ताबड़तोड़ विकास काम हुए और 3 दर्जन से ज्यादा जो नए सरकारी दफ्तर खुले उनमें कहीं ना कहीं हिमांशु अवाना की भी कड़ी मेहनत शामिल है क्योंकि पिता की तरह हिमांशु अवाना भी अपनी जिम्मेवारी को बखूबी से समझते हैं और निभाते रहे हैं इसलिए वे अपने पिता से ग्रामीण लोगों की भलाई और कल्याण के लिए नियमित रूप से घर पर खाने की टेबल पर भी चर्चा करते रहते हैं।

पूर्वानुमान >

28°		रवि	सोम	मंगल	बुध
	अधिकतम >	33°c	32°c	31°c	31°c
	न्यूनतम >	27°c	27°c	26°c	26°c

राजीव गांधी शहरी व ग्रामीण ओलंपिक खेलों का हुआ शुभारंभ

ओलंपिक खेलों से खिलाड़ियों की निखरेगी प्रतिभाएं: हुडला

सितारा न्यूज नेटवर्क

महवा। राजीव गांधी शहरी एवम ग्रामीण ओलंपिक खेलों की शुरूआत राजकीय बालिका विद्यालय मंडावर व टीकाराम पालीवाल राजकीय विद्यालय महवा में विधायक ओमप्रकाश हुडला के मुख्य आतिथ्य में हुई। विधायक हुडला ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। विधायक हुडला ने बताया कि शहरी एवं ग्रामीण ओलंपिक में महुआ क्षेत्र के हजारों युवा भाग ले रहे हैं। राजीव गांधी ओलंपिक खेल चार स्तरीय खेले जाएंगे जिसमें पंचायत स्तरीय ,ब्लॉक स्तरीय ,जिला स्तरीय, राज्य स्तर पर यह टूनार्मेंट खेले जाएंगे। सभी खिलाड़ियों को खेल-खेल की भावना से खेलना है और खेल में भाईचारा बनाए रखना बहुत ही जरूरी है। हारी हुई टीम के खिलाड़ी कभी भी निराश नहीं हो क्योंकि हार के आगे जीत है। विधायक हुडला ने अपने विकास कार्यों को बताते हुए कहा कि महुआ में 40 करोड़ की पेयजल योजना में 32 ट्यूबबेल काटे जाएंगे। जल्द ही 4 लाख लीटर और 6लाख लीटर के दो टैंक भी बनाए जायेंगे। महुआ से मंडावर रोड जल्दी ही सीसीटीवी कैमरे युक्त होगा। उसको अपराध मुक्त सड़क बनाकर देने की जिम्मेदारी लेता हूं। विधायक हुडला ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर महुआ मंडावर स्कूलों में फेस ऑटोमेटिक फेस रीडर मशीन लगेगी। जिससे गांव में ढाणी में बैठे अभिभावक को पता लगेगा की उसका बेटा या मेरी बेटी स्कूल में पहुंच चुके हैं। मंडावर में गांधी चौक सर्किल, बेटी चौक सर्किल, ज्योतिबा फुले सर्किल, का कार्य प्रगति पर है जिसे जल्द ही सर्व समाज के लोगों को समर्पित किया जाएगा एवं महुआ एवं मंडावर में जो बड़े गेट बना रहे हैं, जिससे शहर की रौनक ही बदल जाएगी। विधायक हुडला ने कहा कि महुआ में 108 सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए हैं,जिनको जल्द ही चालू करवा दिया जाएगा। वही मंडावर कार्यक्रम प्रभारी उल्हास अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया। महवा व मंडावर कार्यक्रम के दौरान महुआ चेयरमैन प्रतिनिधि विजेंद्र गुर्जर ,मंडावर चेयरमैन सरिता नारेडा ,विकास अधिकारी विनय मित्र , ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शिवदयाल मीना, तहसीलदार कमल शर्मा, रूप सिंह मीणा, बालिका स्कूल प्रधानाचार्या प्रवीणलता मीणा, अशोक नारेड़ा , रामगोपाल मीना, प्रतियोगिता कॉर्डिनेटर पवन कुमार मीणा, खिलाड़ियों सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

पंचाग

दिनांक: 06 अगस्त 2023 रविवार

विक्रम संवत2080 अधिक श्रावन कृष्ण पक्ष

तिथि	पंचमी	07:09:10	
तिथि	षष्ठी	29:19:35(क्षय)	
पक्ष	**कृष्ण**		
नक्षत्र	रेवती	25:42:30	
योग	धृति	20:25:06	
करण	तैतुल	07:09:10	
करण	गर	18:09:02	
करण	वणिज	29:19:35	
चन्द्र राशि	मीन	25:42:30	
चन्द्र राशि	मेष	25:42:30	
सूर्य राशि	मिथुन		
दिशा शूल	पश्चिम		
सूर्योदय(जयपुर)		05:54:48	
सूर्यास्त	19:10:25		
चंद्रोदय	22:33:31		
चंद्रास्त	10:37:42		
राहू काल	17:31 - 19:10		
अभिजित	12:06 - 12:59		
शुभ चोघडिया			
चर	07:34 - 09:14		शुभ
लाभ	09:14 - 10:53		शुभ
अमृत	10:53 - 12:33		शुभ
शुभ	14:12 - 15:52		शुभ

विशेष जानकारी
पंचक समाप्त:-कल

ज्योतिषाचार्य
भानुप्रकाश शास्त्री

कोठारी संगीत कक्ष का हुआ लोकार्पण समारोह

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में नवनिर्मित आधुनिकतम संगीत कक्ष का लोकार्पण किया गया । संगीत कक्ष के निर्माण प्रेरक स्व. धनराज कोठारी की धर्मपत्नि पिस्ता देवी कोठारी द्वारा फीता काटकर महाविद्यालय को कोठारी संगीत कक्ष समर्पित किया गया । वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा इस अवसर पर भामाशाह परिवार व अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया । भामाशाह रतनप्रकाश कोठारी, अनमोल कोठारी को समिति अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, सचिव डॉ. नरेन्द्र पारख एवं प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया । कोठारी परिवार की प्रमुख पिस्ता देवी कोठारी को अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया । वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने अपने उद्बोधन में भामाशाह परिवार के शिक्षण सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए शिक्षण संस्थान व शिक्षा के क्षेत्र में परिवार की उदारता पर प्रकाश डाला । प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने भामाशाह परिवारों के सहयोग से निरन्तर विकास की ओर अग्रसर महाविद्यालय की भौतिक एवं शैक्षणिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि महाविद्यालय शीघ्र ही राज्य स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाते हुए नवीन कीर्तिमान स्थापित करेगा । इस अवसर पर चैन्नई निवासी सम्पत राज, कमल कुमार, राहुल कुमार गौतम चन्द कोठारी तथा दुलराज मकाणा व रमेश मेड़तवाल द्वारा द्वारा कक्षा कक्षों के नवीनीकरण एवम् स्मार्ट क्लास हेतु 3 - 3 लाख रुपये के अर्थसहयोग की घोषणा की । इस मौके पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के उपाध्यक्ष गौतम चन्द बोहरा, प्रकाश चन्द गदिया, सह सचिव सुनील कुमर ओस्तवाल, प्रचार मंत्री दीप चन्द कोठारी एवं प्रबन्धकारिणी के सदस्य श्रीमान् उत्तमचंद देरासरिया, देवराज लोढ़ा, चन्दू लाल कोठारी एवं रवीन्द्र लोढ़ा सहित सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन निधी पंवार ने किया ।

ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक का ग्राम पंचायत में बिजौली में हुआ उद्घाटन

सितारा न्यूज नेटवर्क

धौलपुर/अंकित गोयल । राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का ब्लॉक स्तरीय उद्घाटन ग्राम पंचायत बिजौली में प्रधान अजय सिंह मलिंगा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य एवं पीईईओ राजेंद्र कुमार शर्मा ने की । विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार कौशिक, आर पी सुरेश भारद्वाज एवं सरपंच प्रतिनिधि राजू गुर्जर रहे ।इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी ब्रजकिशोर शर्मा, व्याख्याता गुमान सिंह मीणा, शिव कुमार सिंघल, रेनू गुर्जर ,अध्यापक भारत भूषण भारद्वाज, मोहर सिंह ,आरती शर्मा, साहब सिंह ,नरेश मीणा, हरीश कुमार शर्मा, भामाशाह कमल शर्मा ने अतिथियों का माल्यार्पण एव पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गान सहित अनेक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधान अजय मलिंगा ने ध्वजारोहण कर ग्रामीण ओलंपिक खेलों का उद्घाटन किया तथा सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई एवम खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल प्रारंभ कराएं तथा सभी खिलाड़ियों से खेल को खेल की भावना से खेलने का आह्वान किया । इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध कराई गई टी-शर्ट का विद्यालय प्रशासन द्वारा वितरण किया गया । विशिष्ट अतिथि अजय कुमार कौशिक एवं आर पी सुरेश भारद्वाज द्वारा ग्रामीणों एवम खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाने एवं उचित स्थान दिलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विगत वर्ष से ग्रामीण एवं शहरी राजीव गांधी ओलंपिक खेल शुरू किए गए हैं । पी ई ई ओ राजेंद्र कुमार शर्मा एवं ग्राम विकास अधिकारी ब्रजकिशोर शर्मा ने बताया कि बिजौली पंचायत में 332 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं तथा 28 टीमें कबड्डी, रस्साकशी एवं क्रिकेट में भाग ले रही है उन्होंने बताया कि प्रथम दिवस 5 अगस्त 2023 को रस्साकशी में विजेता बिजौली टीम रही तथा उपविजेता टीम नयापुरा रही इसी तरह महिला कबड्डी में बिजौली टीम को बाई देकर विजयी घोषित किया गया कार्यक्रम का संचालन मोहर सिंह वरिष्ठ अध्यापक द्वारा किया गया ।

लक्ष्मणगढ़ में राजीव गांधी ओलंपिक का शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

लक्ष्मणगढ़। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेल 2023 के तहत शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लीली में शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कांग्रेस की पूर्व प्रदेश सचिव मीना गुप्ता थी। अध्यक्षता सीबीईओ हरिओम गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथियों में नायाब तहसीलदार मुकेश गोयल, युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष इकबाल खान, श्री सार्वजनिक पुस्तकालय अध्यक्ष रवि शर्मा, नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता श्यामसुंदर पांड़े, एसीबीईओ रामोतार पहाड़िया, राजकीय उमावि लक्ष्मणगढ़ प्रधानाचार्य धनमत खान, जीएसएस अध्यक्ष श्यामलाल मीना थे। मंच संचालन संदीप नागपाल ने किया। उद्घाटन समारोह के दौरान एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। सीबीईओ हरिओम खण्डेलवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 'खेलेगा राजस्थान तो बढ़ेगा राजस्थान' और 'फिट राजस्थान तो हिट राजस्थान' की तर्ज पर राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए ओलंपिक खेल एक बेहतर माध्यम है। ओलंपिक खेलों में किसी भी वर्ग के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। इधर मुख्य अतिथि मीना गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में भौतिकवाद का अधिक प्रचलन है। वहीं जलवायु और वातावरण इस प्रकार का हो चुका है कि व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति गंभीर नहीं है ।ऐसे में खेलों के माध्यम से ही शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है ।इसलिए सभी को चाहिए कि खेलों में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाएं।

ओलंपिक खेलों के खिलाड़ियों व स्टाफ के लिए भामाशाह शिवलाल फौजी टहटड़ा के द्वारा 3 दिन रहेगी भोजन की उत्तम व्यवस्था

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना । अलवर के रैणी-उपखंड क्षेत्र मे भी समूचे राजस्थान की तरह ही ओलंपिक खेल शनिवार से शुरू हो गए है, जिनमें खिलाड़ी बढ़ चढ़कर रूचि दिखा रहे है । इस दौरान रैणी के टहटड़ा पंचायत स्तर पर आयोजित ओलंपिक खेल के सभी स्कूलों के खिलाड़ियों के लिए तथा सभी स्कूलों के स्टाफ के लिए तीन दिन तक के भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी शिवलाल फौजी (शिव साई शक्ति मन्दिर टहटड़ा) के द्वारा ली गई है, जिसमें शनिवार को सभी के लिए उत्तम व्यवस्था की । इसी तरह से आगामी तीन दिन भी शिवलाल फौजी के द्वारा ही भोजन व्यवस्था की उत्तम व्यवस्था जारी रहेगी। इसके लिए फौजी को सभी स्कूलों के समस्त स्टाफ व खिलाडियो और गांव के गणमान्य पंच पटेलो के द्वारा प्रशंसा करते हुए बहुत बहुत धन्यवाद दिया ओर इस पुनित काम को सभी के द्वारा सराहा गया।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह आयोजित

सितारा न्यूज नेटवर्क

लक्ष्मणगढ़। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता ग्राम पंचायत खोहरा मलावली के राउमावि खोहरा के विद्यालय परिसर ने मुख्य अतिथि राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता का खोहरा के संयोजक सरपंच व कांग्रेस नेता गोपेश भारद्वाज, पंचायत समिति सदस्य रामेश्वर मीना, विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी शारारिक रामकिशन मीना, प्राचार्य सत्यपाल अवस्थी, एसएमसी अध्यक्ष विजेंद्र पराशर, पुन्याराम मीना , सुभान खान, हीरालाल मीना, बाबू लाल मीणा, कमलेश भारद्वाज, पप्पू राणा ने किया।

नर्सिंग कर्मियों ने 2 घंटे का कार्य बहिष्कार कर दिया धरना, 11 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की मांग

लक्ष्मणगढ़। राजस्थान संयुक्त नर्सेज संघर्ष समिति अलवर द्वारा प्रदेशव्यापी अभियान पर आज ब्लॉक लक्ष्मणगढ़ के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर समस्त नर्सिंग कर्मियों ने 2 घंटे का कार्य बहिष्कार कर 11 सूत्री मांगों को पूर्ण करने के लिए सरकार से मांग की। जिला कार्यकारिणी के सदस्य नर्सिंग अधिकारी आरिफ खान ने बताया कि 11 सूत्री मांगों को लेकर पिछले 1 माह से जिला स्तर पर शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन जारी है। 2 घंटे के कार्य बहिष्कार के दौरान सभी चिकित्सालय में आपातकालीन सेवाएं निरंतर जारी रही।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का आज हुआ आगाज

सितारा न्यूज नेटवर्क

सरमथुरा/अंकित गोयल । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धौन्ध सरमथुरा में शनिवार को ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोहरे पप्पू शर्मा खिदरपुर वालों ने मां सरस्वती वंदना व दीप प्रज्ज्वलित कर खेलों का शुभारंभ किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता अमृतलाल ने की । प्रधानाचार्य बबलू कुमार ने कहा खेलों विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है । मुख्यमंत्री बोहरे पप्पू शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत ने राजीव गांधी ओलंपिक खेलों की शुरूआत करके बहुत ही अच्छा कार्य किया है । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा खेलों की शुरूआत करके राजस्थान के भविष्य के लिए बहुत बड़ी उपलब्धियां प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे जिससे गांव में रहने वाले बच्चों को भी खेलों की जानकारी मिलेगी जिससे उनका मानसिक विकास होगा । बौहरे पप्पू शर्मा ने भामाशाह के रुप में विद्यालय के लिए 5100 रुपये और खिलाड़ियों के लिए 1 दिन के भोजन की व्यवस्था की । वही अध्यक्ष अमृतलाल गुर्जर ने भी खिलाड़ियों के एक दिन की भोजन व्यवस्था की घोषणा की ।प्रधानाचार्य बबलू मोलोनी ने 1100 रूपए, वाइस प्रिंसिपल चरण सिंह मीणा 1100 रुपए, व्याख्याता पीतम मीणा ने 1100 रुपए, पीटीआई बंकटसिंह परमार 1000, अमृतलाल गुर्जर 500 एवं सभी भामाशाहों ने खिलाड़ियों की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए सहयोग प्रदान किया । राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल के आयोजन में अध्यापक सियाराम, भगवान मीणा, परसोत्तम मीणा, मंगल सिंह मीणा, कृष्ण कुमार परमार, इकबाल खान, आशा मीणा,संजय, कृष्ण कुमार शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, सरोजन गुर्जर धौन्ध पंचायत के सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का हुआ शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर(अनिल सिखवाल)। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का शुभारंभ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाजा में मुख्य अतिथि सरपंच संजय सुमन सोनी एवं प्रधानाचार्य अशोक कुमार तवर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह के विशिष्ट अतिथि ताराचंद जांगिड़ ,अरुण शर्मा, चौथमल बंशीवाल ,रूपा लोहार ,बाबू सिंह ,बलवंत सिंह आदि थे ।मीडिया प्रभारी शंभू दयाल व्यास ने बताया कि उद्घाटन मैच में खो -खो खेल में राजकीय महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाजा की बालिकाओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत प्रकाश सालवी ,प्रकाश भगत, महिपाल सिंह समोता, सांवरमल सांखला, उमेश कुमार शर्मा ,शंभू दयाल व्यास ,मनमोहन गूगरवाल, अंशुल डाबला, लोचन प्रकाश सिंह, आदि ने माल्यार्पण द्वारा किया कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र सिंह राठौड़ एवं ठाकुरदास मेहरा ने किया। रविवार 6 अगस्त को वॉलीबॉल, सोमवार 7 अगस्त को कबड्डी, मंगलवार 8 अगस्त को रस्साकशी, तथा बुधवार 9 अगस्त को टेनिस बॉल और क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा ,इन खेलकूद प्रतियोगिताओं में कुल 473 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए ।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

RNI : RAJHIN13216/2005

दैनिक
गरीबों का सितारा

।। दशकों पुराना साथ।।

निष्पक्ष कलम — निर्भीक आवाज

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

खेल का आगाज है, हमारे युवा 'युवराज' हैं, प्रदेश को इन पर नाज है, ये भविष्य और ये ही आज हैं...

पुरानी यादें हुई ताजा : मुख्यमंत्री के टॉस के बाद मंत्रियों ने कबड्डी में किए दो-दो हाथ

खेल प्रतिभाओं को मंच और सम्मान देना राज्य सरकार की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री गहलोत

ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल का थीम सॉन्ग लॉन्च

7 खेलों में खेलते नजर आएंगे 58.51 लाख खिलाड़ी

मुख्यमंत्री ने 8 लेन इंटरनेशनल स्वीमिंग पूल का किया लोकार्पण

गूंजा : खेलेगा राजस्थान-जीतेगा राजस्थान

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम से शहरी व ग्रामीण ओलिंपिक की शुरूआत की। पैर में चोट लगने के बाद शनिवार को सीएम अशोक गहलोत पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। गहलोत ने कबड्?डी के उद्घाटन मैच में टॉस किया। दरअसल, कबड्डी का उद्घाटन मैच मंत्री-विधायकों के बीच खेला गया। इसमें 'ए टीम' के कप्तान खेल मंत्री अशोक चांदना थे। इसमें चांदना के साथ मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और कुछ खिलाड़ी मौजूद रहे। वहीं, 'बी टीम' के कप्तान मंत्री महेश जोशी रहे। इसमें मंत्री लालचंद कटारिया और कृष्णा पूनिया, गोविंद राम मेघवाल शामिल थे। इस दौरान पांच अलग-अलग राउंड खेले गए। इसमें मंत्री महेश जोशी की टीम ने जीत दर्ज की। इससे पहले एसएमएस स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की 11 हजार 252 पंचायतों और 535 नगर निकाय में वर्चुअल ओलिंपिक की शुरूआत की।

58 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए

कार्यक्रम में उठ अशोक गहलोत ने कहा- हिंदुस्तान के इतिहास में हमने पहली बार शहरी और ग्रामीण ओलिंपिक की शुरूआत की है। क्योंकी राजस्थान में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। मैं चाहता हूं, राजस्थान के हर खिलाड़ी को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिले। इसलिए ओलिंपिक का आयोजन किया जा रहा है। सीएम ने कहा- मुझे खुशी है कि पिछली बार 30 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इस बार 58 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। राजस्थान को देखकर अब देश के दूसरे राज्यों में भी इस तरह के आयोजन करने की तैयारी की जा रही है।

संस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी बांधा समा

ग्रामीण और शहरी ओलिंपिक में 7-7 खेल प्रतियोगिता

इससे पहले खेल मंत्री अशोक चांदना ने बताया- 5 अगस्त से 18 सितम्बर तक आयोजित होने वाले राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलिंपिक खेलों में 7-7 खेल प्रतियोगिता आयोजित होगी। इनमें ग्रामीण ओलिंपिक में कबड्डी (बालक-बालिका वर्ग), शूटिंग बॉल (बालक वर्ग), टेनिस बॉल क्रिकेट (बालक-बालिका वर्ग), खो-खो (बालिका वर्ग), वॉलीबॉल (बालक-बालिका वर्ग), फुटबॉल (बालक-बालिका वर्ग) और रस्साकशी (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।वहीं, शहरी ओलिंपिक में कबड्डी (बालक-बालिका वर्ग), टेनिस बॉल क्रिकेट (बालक-बालिका वर्ग), खो-खो (बालिका वर्ग), वॉलीबॉल (बालक-बालिका वर्ग), एथलेटिक्स (100 मी. 200 मी. एवं 400 मी.), फुटबॉल (बालक वर्ग), बास्केटबॉल (बालक-बालिका वर्ग) प्रतियोगिता होगी।

जयपुर हेरिटेज नगर निगम महापौर पद से मुनेश गुर्जर सस्पेंड:

रिश्वत लेते पकड़ा गया मेयर पति बोला- डिप्टी मेयर बनने के लिए कांग्रेसी नेता साजिश कर रहा

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। जयपुर हेरिटेज नगर निगम महापौर पद से मुनेश गुर्जर को सस्पेंड कर दिया गया है। शनिवार देर रात सरकार ने यह कार्रवाई की है। मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर को एसीबी ने शुक्रवार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। इसकी वजह से जांच के घेरे में मुनेश गुर्जर भी हैं।उधर, रिश्वत लेते पकड़े गए जयपुर

हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर को शनिवार को एसीबी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे 2 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। इस दौरान मेयर पति सुशील गुर्जर ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा- कांग्रेस के एक बड़े नेता के इशारे पर मुझे फंसाने की साजिश की गई है। इससे मैं डरने वाला नहीं हूं।

सुशील गुर्जर ने कहा- जब से मुनेश मेयर बनी थी। तभी से सिविल लाइन से पार्षद मनोज मुद्गल (मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का करीबी) डिप्टी मेयर बनने के चक्कर में हमारे खिलाफ प्रॉब्लम क्रिएट कर रहा था। मेरे खिलाफ मनोज मुद्गल और उसके घर पर रहने वाले सुधांशु नाम के लड़के ने साजिश रची है। जो पूरी तरह से फर्जी है। ईमानदारी व्यक्ति को निडर बनाती है। ऑफिस में यह लिखकर रखने वाली मेयर मुनेश गुर्जर का पति दो लाख लेते पकड़ा गया। मुनेश गुर्जर अब एसीबी जांच के घेरे में है।

हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के पति की गिरफ्तारी पर बीजेपी का तंज, बोले- 'सीएम गहलोत ने पैर के

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चारों तरफ से घिरती हुई नजर आ रही है। कुछ दिन पहले बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने विधानसभा में लाल डायरी के कुछ पन्ने सार्वजनिक करके गहलोत सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया, प्रदेश में मुख्य विपक्षी बीजेपी को बैठे-बिठाए के मुद्दा दे दिया। वहीं अब जयपुर हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के पति को एसीबी ने रिश्वत लेने के आरोप रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर के पति की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की सियासत में आग में घी डालने का काम किया है। बीजेपी ने प्रदेश सरकार पर जबानी हमला बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस मुद्दे पर वीडियो संदेश जारी कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने गहलोत सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कई

मुद्दों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। जारी वीडियो संदेश में सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि नया दिन नया घोटाला। सरकार की रेट लिस्ट है पैसे दीजिये और काम करवाइए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान में जयपुर ग्रामीण से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि, उन्हें समझ नहीं आता है कि सीएम अशोक गहलोत ने अपने पैर के दोनों अंगूठे पर पट्टी बांध रखी है या आंख पर। उन्होंने कहा कि लूट और झूठ का एक और घोटाला सामने आ गया है। रिश्ववत के मामले में एसीबी की टीम ने मेयर के पति सहित दो दलालों को गिरफ्तार किया है।

कुलगाम में आतंकियों से हुई मुठभेड़ में राजस्थान के बाबूलाल हुए शहीद, सीएम ने जताई संवेदना

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हुए तीन जवानों में से एक जवान राजस्थान से है। आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में राजस्थान के जयपुर जिले के शाहपुरा क्षेत्र के निवासी व भारतीय सेना की 8 जाट रेजीमेंट के जाबांज बाबूलाल जाट शहीद हो गए।आपको बता दें कि आतंकियों के खिलाफ सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। कुलगाम जिले के हलान वन क्षेत्र के ऊंचे इलाकों में आतंकियों के होने की सूचना पर सेना ने सर्च अभियान चलाया था। इसमें कुलगाम पुलिस भी शामिल थी। इस दौरान आतंकियों से हुए

मुठभेड़ में शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खोरा लाडखानी के हनुतपुरा निवासी बाबूलाल जाट ने अपनी शहादत दी। बता दें कि इस मुठभेड़ में तीन जवान घायल हो गए थे। इलाज के दौरान इनकी मौत हो गई। इसमें जयपुर के शाहपुरा क्षेत्र निवासी बाबूलाल जाट भी शामिल हैं।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

राष्ट्र निर्माण को समर्पित मदन दास देवी

स्मृतिशेष

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री, भारत सरकार

देश ने हाल ही में मदन दास देवी जी जैसी महान विभूति को खोया है। उनके जाने से मेरे साथ ही लाखों कार्यकर्ताओं को जो गहरा दुख हुआ, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। आज मन को समझाना मुश्किल है कि मदन दास जी हमारे बीच में नहीं हैं। लेकिन मदन दास जी जैसे प्रभावशाली व्यक्तित्व के विचार और मूल्य सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे, हमें प्रेरणा देते रहेंगे।

मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मदन दास जी के साथ वर्षों तक करीब से काम करने का अवसर मिला। मैंने उनकी सादगी और मृदुभाषी स्वभाव को भी बहुत नजदीक से जाना। उनका जीवन बहुत सहज था। न तो उन पर सादगी का बोझ था और ना दिखावे का नामोनिशान। वे पूरी तरह से संगठन को समर्पित व्यक्ति थे और मेरे पास भी लंबे समय तक संगठन के कार्यों का दायित्व रहा है। इसलिए अधिकतर समय हमारे बीच की बातचीत संगठन का विस्तार, व्यक्ति निर्माण जैसे पहलुओं पर केंद्रित रहती थी। एक बार मैंने उनसे पूछा कि वे मूल रूप से कहां के रहने वाले हैं। उन्होंने मुझे बताया कि वे तो महाराष्ट्र के सोलापुर के पास के एक गांव से आते हैं, लेकिन उनके पूर्वज गुजरात के थे। वैसे ये उन्हें पता नहीं था कि गुजरात में कहां से थे। मैंने उन्हें बताया कि देवी उपनाम से मेरे एक शिक्षक थे, जो विसनगर के रहने वाले थे, इसलिए हो सकता है कि आप भी उधर के ही हों। बाद में मदन दास जी विसनगर गए और मेरे गांव वडनगर भी गए। वो मुझसे अधिकतर समय गुजराती में ही बातचीत करते थे।

मदन दास जी धैर्यपूर्वक कार्यकर्ताओं की बातों को सुना करते थे और घंटों तक चली चर्चा को वो बहुत कम वाक्यों में संक्षेप में समेट लेते थे। उनकी एक विशेषता थी कि वे शब्दों से परे जाकर कार्यकर्ता की भावनाओं को बहुत जल्दी समझ लेते थे।

मदन दास जी की जीवन यात्रा दर्शाती है कि कैसे स्वयं को पीछे रखकर और सामान्य कार्यकर्ताओं को जोड़कर बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उनके पास चार्टर्ड अकाउंटेंट की ट्रेनिंग थी, इसलिए वे चाहते तो आरामदायक जीवन जी सकते थे, लेकिन उनके जीवन का उद्देश्य कुछ और ही था। उन्होंने राष्ट्रनिर्माण को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया।

भारत के युवाओं पर मदन दास जी को अटूट भरोसा था। वे देशभर के युवाओं को आपस में जोड़ने की क्षमता रखते थे। उन्होंने अपने जीवन का लंबा कार्यकाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया। मदन दास जी अपनी इस यात्रा में यशवंत राव केलकर जी से प्रभावित रहे, जिनके बारे में वे अक्सर बातें किया करते थे। यशवंत राव जी के कामों को उन्होंने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि उसे और समृद्ध किया।

मदन दास जी का हमेशा जोर रहता था कि एबीवीपी के कामों में अधिक से अधिक छात्राओं की भागीदारी हो, और न सिर्फ ये भागीदारी तक सीमित रहे, बल्कि छात्राएं गतिविधियों का नेतृत्व करें। वे अक्सर कहते थे कि जब छात्राएं किसी सामूहिक गतिविधि में शामिल होती हैं तो वह प्रयास और ज्यादा संवेदनशील बन जाता है। विद्यार्थियों से मदन दास जी का गहरा लगाव था और वो

अक्सर छात्रावासों में विद्यार्थियों के बीच घुलमिल जाते थे। आयु में फर्क होने के बावजूद वो नई पीढ़ी के साथ बहुत सहजता से तालमेल बिठा लेते थे। वे विद्यार्थियों के बीच हमेशा ऐसे काम करते रहे, जैसे पानी के बीच कमल। विद्यार्थियों के बीच रहकर भी वे कभी विश्वविद्यालय राजनीति का हिस्सा नहीं बने।

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में कई ऐसे लोग हैं, जिनके जीवन को गढ़ने में मदन दास जी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। लेकिन मदन दास जी ने कभी इस बात को प्रकट नहीं किया, क्योंकि यह उनके स्वभाव में ही नहीं था।

आजकल पीपल मैनेजमेंट, टैलेंट मैनेजमेंट और स्किल मैनेजमेंट के कॉन्सेप्ट्स बहुत ज्यादा प्रचलित हैं। मदन दास जी यह बखूबी समझ लेते थे कि किस व्यक्ति में किस तरह की स्किल है और उसका टैलेंट संगठन के हित में कैसे काम आ सकता है। उनमें यह खासियत थी कि वे लोगों को उनकी क्षमताओं और टैलेंट के अनुरूप ही दायित्व सौंपते थे। जिस प्रकार एक माला में मोतियों को पिरोते हैं, उसी प्रकार वे कार्यकर्ताओं को भी संगठन में उचित दायित्व के साथ जोड़ देते थे। जब भी किसी कार्यकर्ता के पास कोई नया आइडिया होता था, तो उसकी हमेशा ये इच्छा रहती थी कि वो मदन दास जी के साथ शेयर करे। और इसकी एक वजह ये थी कि मदन दास जी नए आइडियाज को सुनने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उनके साथ काम करने वाले लोग सेल्फ-मोटिवेटेड होते थे, इस कारण से उनके नेतृत्व में न सिर्फ संगठनों का बहुत तेजी से विकास और विस्तार हुआ, बल्कि संगठन कहीं अधिक प्रभावी और सशक्त बने।

आम तौर पर सार्वजनिक जीवन में लोगों को लगता है कि बहुत सारे लोगों से मिलना चाहिए, उनसे संपर्क करना चाहिए। मदन दास जी संपर्क को लेकर बहुत सेलेक्टिव थे। किससे मिलना, कब मिलना और जब मिलूंगा तो उससे क्या बात करना और इसमें कितना समय जाएगा। इन सबकी वो प्लानिंग करते थे। मदन दास जी के जो प्रवास और कार्यक्रम होते थे, उनमें वो कभी भी कार्यकर्ताओं पर बोझ नहीं बनते थे। उनका आना एक बहुत बड़े लीडर के साथ जो सुनामी आती है, उस तरह नहीं रहता था। वे एक ठंडी-मीठी लहर की तरह आकर चले जाते थे। और सारे कार्यकर्ताओं को, पूरी स्थानीय इकाई को प्रेरणा से भर देते थे।

मैं अंतिम समय तक सतत उनके संपर्क में रहा। मैं हाल में जब भी उनको फोन करता था तो वे चार बार पूछने के बाद ही अपनी बीमारी के बारे में बात करते थे। अन्यथा वे हंसकर टाल जाते थे। उनकी इच्छा रहती थी कि मैं किसी पर बोझ नहीं बनूं। शारीरिक कष्ट के बावजूद भी वे प्रसन्नचित्त नजर आते थे। बीमारी में भी उनके मन में हमेशा ये भाव रहता था कि मैं समाज के लिए, देश के लिए क्या करूं।

मदन दास जी का अकादमिक रिकार्ड काफी शानदार था और इसने उनके काम करने के तरीकों को एक खास आयाम दिया। वे बहुत अच्छे पाठक भी थे। जब भी कुछ अच्छा पढ़ते थे, तो उसे उस विषय से संबंधित लोगों को भेज देते थे। मुझे अक्सर ऐसी चीजें उनसे प्राप्त होती थीं, जिन्हें मैं अपने लिए बहुत उपयोगी पाता था। अर्थशास्त्र और नीतिगत मामलों की वे बहुत गहरी समझ रखते थे। वे एक ऐसा भारत देखना चाहते थे, जो किसी पर भी निर्भर नहीं हो। मदन दास जी ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जिसके प्रत्येक नागरिक के लिए आत्मनिर्भरता जीवन की वास्तविकता हो। एक ऐसे समाज का निर्माण हो जहां सम्मान, सशक्तिकरण और सामूहिक समृद्धि की भावना हो। आज भारत एक के बाद एक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनता जा रहा है, इसे देखकर उनसे ज्यादा खुश कोई नहीं होता।

आज जब हमारा लोकतंत्र जीवंत है, युवा आत्मविश्वास से भरे हैं और देश उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं से भरा है, तब मदन दास देवी जी जैसी विभूतियों को याद करना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उनका पूरा जीवन समाज की सेवा और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित रहा।

बीच का रास्ता निकालना होगा

दिल्ली विवाद

प्रणय यादव

वरिष्ठ टीवी पत्रकार

आखिरकार केन्द्र सरकार ने अपनी संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुनिश्चित कर लिया कि दिल्ली में ट्रासफर, पोस्टिंग में केन्द्र सरकार का आदेश चलेगा। दिल्ली के अफसर केन्द्र सरकार का हुक्म मानेंगे। केन्द्र सरकार ही दिल्ली की रियल बॉस होगी। हालांकि दिल्ली सरकार ने हार नहीं मानी है। ये झगड़ा एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाएगा, क्योंकि इस सवाल का जबाव खोजना तो जरूरी है कि अगर किसी राज्य के लोग अपनी सरकार चुनते हैं, उस सरकार की जिम्मेदारी भी तय होती है तो क्या उसके अधिकार तय नहीं होने चाहिए। अगर किसी राज्य की सरकार के पास न पुलिस होगी, न जमीन होगी, न अफसरों की तैनाती की हक होगा, न कानून बनाने की पूरी पावर होगी, न फैसले लेने की छूट होगी तो फिर उसे सरकार कैसे कहा जाएगा। हालांकि ये सही है कि दिल्ली दूसरे राज्यों की तरह पूर्ण राज्य नहीं है। साथ ही दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भी है। इस इलाके पर केन्द्र सरकार अपना हक छोड़ नहीं सकती, इसलिए दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर केन्द्र और दिल्ली के बीच झगड़ा पैंसठ साल से चल रहा है, लेकिन अब इस झगड़े को सुलझाना जरूरी है।

ऐसा नहीं है कि दिल्ली के अधिकारों में कटौती मोदी सरकार ने की है। जवाहर लाल नेहरू और डॉ. भीमराव अंबेडकर भी दिल्ली को ज्यादा अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे। 1951 में चौधरी ब्रह्मप्रकाश दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बने। पौने तीन साल बाद उन्हें हटा दिया गया, क्योंकि चौधरी भी केजरीवाल की तरह ज्यादा अधिकार मांग रहे थे। इसके बाद 1956 में विधानसभा खत्म करके दिल्ली को केन्द्र सरकार के अधीन कर दिया गया। 1991 में फिर दिल्ली में विधानसभा बनी, लेकिन पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिला। 1993 में मदनलाल खुराना दिल्ली के चुने हुए चीफ मिनिस्टर बने और कुर्सी पर बैठते ही उन्होंने दिल्ली के पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठाई। तब से लेकर अब तक वही झगड़ा चल रहा है। मजे की बात ये है कि जिस पार्टी की दिल्ली में सरकार होती है वो पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करती है और जिसकी केन्द्र में सरकार होती है वो विरोध करती है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने का वादा मैनीफेस्टो में किया लेकिन केन्द्र में सरकार बनने के बाद दोनों

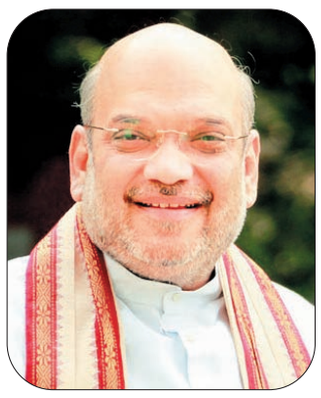

पार्टियां इसे भूल गईं। जब केन्द्र में अटल सरकार थी उस वक्त शीला दीक्षित ने आंदोलन चलाया था। 2003 में लालकृष्ण आडवाणी दिल्ली को लेकर पार्लियामेंट में एक प्रस्ताव लेकर आए थे, लेकिन वो आगे नहीं बढ़ सका। मजे की बात ये है कि इसके बाद केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बन गई और दिल्ली में भी कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उस वक्त पूण राज्य की मांग नहीं की गई। अर्थात, दिल्ली को पूर्णराज्य का दर्जा एक सियासी मसला है।

अब दो सवाल हैं कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया क्यों नहीं जाता और दूसरा अगर दे भी दिया जाए तो इसमें दिक्कत क्या है। असल में दिल्ली आम शहर नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी है। राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, केन्द्र सरकार के मंत्रालय, और दूतावास सभी दिल्ली में है। इतने महत्वपूर्ण इलाके की सुरक्षा और देखभाल की पूरी जिम्मेदारी किसी राज्य पर नहीं छोड़ी जा सकती, इसीलिए जो मौजूदा व्यवस्था है उसमें पुलिस और जमीन तो सीधे केन्द्र सरकार के अंडर है। दिक्कत ये है कि बाकी बचे सब्जेक्ट भी दिल्ली सरकार के पास नहीं है, क्योंकि दिल्ली में कई सारी समानान्तर व्यवस्थाएं हैं। केन्द्र सरकार है, ले. गवर्नर है, दिल्ली सरकार है, दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉरपोरेशन, डीडीए, कैन्टोनमेंट बोर्ड है। सबके अपने दायरे हैं। सब स्वायत्त है तो फिर दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास बचा क्या। दिल्ली सरकार की यही दिक्कत, सुप्रीम कोर्ट ने इस परेशानी को जायज माना कि अगर किसी चुनी हुई सरकार के पास फैसले लेने की पावर ही नहीं होगी तो वो काम कैसे करेगी। जनता से किए गए वादे कैसे पूरे करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर अफसरों को नियुक्त करने और उन्हें हटाने का हक दिल्ली सरकार के पास नहीं होगा तो अफसर सरकार की क्यों सुनेंगे।

अब सवाल ये है कि रास्ता क्या है। ये सही है कि दिल्ली के बारे में फैसले करने के सारे हक न तो दिल्ली सरकार को दिए जा सकते हैं और न ही सारे अधिकार छीन कर केन्द्र सरकार अपने पास रख सकती है, इसलिए बीच का रास्ता निकालना ही होगा। 2003 में अटल सरकार जो प्रस्ताव लाई थी उस पर गौर करने की जरूरत है। दिल्ली में राष्ट्रपति भवन, संसद, प्रधानमंत्री आवास, रक्षाभवन से लेकर दूतावासों तक इलाके को जो एनडीएमसी के अंतर्गत आता है उसे केन्द्र सरकार के अधीन रखा जाए और इस इलाके की सुरक्षा की जिम्मेदारी पैरामिलिट्री फोर्स को दी जा सकती है। या फिर अलग पुलिस कमिश्नरेट का गठन भी किया जा सकता है। इसके अलावा नगर निगम, डीडीए और दिल्ली पुलिस दिल्ली सरकार के अंडर में दे दी जाए। दिल्ली के सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारी भी दिल्ली सरकार के पास होनी चाहिए। अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग का हक भी दिया जाना चाहिए। जिन राज्यों में विधानसभा हैं। चुनी हुई सरकार है। उनमें ले. गवर्नर की व्यवस्था लोकतन्त्र में अंग्रेजी हुकूमत की याद दिलाती है। ये व्यवस्था सिर्फ उन केन्द्र शासित प्रदेशों में होनी चाहिए जिनमें अपनी विधानसभा नहीं है। तभी इस तरह के झगड़ों से निजात मिल सकती है।

संसद के मानसून सत्र में गतिरोध जारी है। मणिपुर हिंसा पर संसद में पीएम के बयान को लेकर विपक्ष अपनी जिद पर कायम है तो सत्ता पक्ष भी तू डाल मैं पात की सियासी चाल से संसद में आगे बढ़ रहा है। पीएम को बयान पर मजबूर करने के लिए विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है तो सरकार ने भी मणिपुर पर चर्चा के लिए सत्र के आखिरी दिन को चुना है। संसद से सरकार दिल्ली की सियासत को भी साध रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निष्प्रभावी बनाने के लिए केंद्र सरकार पहले दिल्ली के बॉस कौन को लेकर अध्यादेश लेकर आई, अब उसे कानून का दर्जा देने के लिए लोकसभा में बिल पास किया, राज्यसभा में पास कराने की तैयारी है। मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद से कांग्रेस उत्साहित है। ऐसे में विपक्ष व सत्ता पक्ष के बीच सियासी दावपेंच दिलचस्प हो गया है। मिशन 2024 पर नजर के साथ जारी सियासत के अभी और कई रंग देखने को मिलेंगे। इसी का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

'अविश्वास' से 'अध्यादेश' तक की सियासत

मानसून सत्र

प्रमोद जोशी

वरिष्ठ पत्रकार

दोनों सदनों में मणिपुर हिंसा मामले पर गतिरोध इस हफ्ते भी जारी रहा। 12 दिन हो चुके हैं और सत्र के पांच दिन बचे हैं। विपक्ष लगातार मणिपुर हिंसा मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग कर रहा है। विरोधी दलों की रणनीति है कि बात चाहे दिल्ली के विधेयक पर हो या अविश्वास प्रस्ताव पर, वे मणिपुर के मसले पर सरकार को घेरेंगे। वे इस बात को लेकर नाराज़ हैं कि सरकार ने राज्यसभा में मणिपुर पर 11 अगस्त यानी सत्र के आखिरी दिन चर्चा कराने की योजना बनाई है। विरोधी दल चाहते हैं कि सोमवार को ही चर्चा हो। शुक्रवार को उन्होंने राज्यसभा के नेता सदन पीयूष गोयल और संसदीय-कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की, ताकि गतिरोध खत्म हो।

दिल्ली के अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़े अध्यादेश के स्थान पर लाए गए विधेयक को लोकसभा ने पास कर दिया है। संभवतः सरकार अब इसे सोमवार 7 अगस्त को राज्यसभा में पेश करेगी। लोकसभा में सत्तारूढ़ दल के बहुमत को देखते हुए इसके पास होने में संदेह नहीं था। राज्यसभा में भी उसके पास होने के आसार हैं, पर देखना होगा कि वहां मतदान के समय गैर-भाजपा दलों का रुख क्या रहेगा। यह रुख भविष्य की राजनीति की ओर इशारा करेगा। इस हफ्ते अविश्वास प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी। 10 अगस्त को प्रधानमंत्री जब इस पर हुई बहस का उत्तर देंगे, तब देश की निगाहें बहुत सी बातों पर होंगी। पिछले साढ़े चार या साढ़े नौ साल के प्रसंग उठेंगे। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी। अब उनकी संसद सदस्यता बहाल हो जानी चाहिए। कब होगी और कैसे होगी, देखना अब यह है। क्या इसी सत्र में उनकी वापसी संभव है? क्या वे अविश्वास प्रस्ताव पर बोलेंगे? ऐसे कुछ सवाल हैं। सत्र में अब यही हफ्ता शेष है, पर जो भी होगा रोचक और सनसनीखेज होगा। बीजेपी ने लोकसभा सदस्यों को ह्विप जारी कर दिया है, जिसमें उनसे 7 से 11 अगस्त के बीच सदन में उपस्थित रहने और सरकार का समर्थन करने के लिए कहा गया है।

राज्यसभा में विधेयक की परीक्षा

करीब चार घंटे की बहस के बाद दिल्ली सेवा विधेयक लोकसभा से पास हो गया, पर संशय अब सिर्फ राज्यसभा की परिस्थितियों को लेकर है। सदन में एनडीए और विरोधी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के पास लगभग बराबर सीटें हैं। ऐसे में गुट-निरपेक्ष पार्टियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। नवीन पटनायक के बीजू जनता दल और आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस ने अपना रुख साफ कर दिया है। दोनों ने गुरुवार को लोकसभा में सरकार का साथ दिया। दोनों के राज्यसभा में नौ-नौ सदस्य हैं। दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी, जेडीएस और टीडीपी ने अपना रुख साफ नहीं किया है। इन तीनों के राज्यसभा में एक-एक सांसद हैं। ये किस तरफ वोटिंग करेंगे इस पर सबकी नजरें हैं। तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस ने स्पष्ट किया है कि वह बिल के विरोध में है। उसके राज्यसभा में सात सांसद हैं। एनडीए के राज्यसभा में 100 सदस्य हैं। बीजेडी और वाईएसआर कांग्रेस के समर्थन से उसे 118 सदस्यों का साथ मिल गया है। माना जा रहा है कि नामित 5 सदस्य भी सरकार का साथ देंगे और तीन निर्दलीय सांसद भी हैं। गठबंधन 'इंडिया' के साथ राज्यसभा में 101 सदस्य हैं। बीआरएस के सात सांसदों के समर्थन से उसके पास 108 सदस्यों का बल होगा। तराजू का पलड़ा एनडीए की तरफ कुछ झुका हुआ लगता है, पर राजनीति का क्या भरोसा?

मणिपुर हिंसा पर गतिरोध जारी

दोनों सदनों मणिपुर हिंसा मामले पर गतिरोध इस हफ्ते भी जारी रहा। 12 दिन हो चुके हैं और सत्र के पांच दिन बचे हैं। विपक्ष लगातार मणिपुर हिंसा मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग कर रहा है। विरोधी दलों की रणनीति है कि बात चाहे दिल्ली के विधेयक पर हो या अविश्वास प्रस्ताव पर, वे मणिपुर के मसले पर सरकार को घेरेंगे। वे इस बात को लेकर नाराज़ हैं कि सरकार ने राज्यसभा में मणिपुर पर 11 अगस्त यानी सत्र के आखिरी दिन चर्चा कराने की योजना बनाई है। विरोधी दल चाहते हैं कि सोमवार को ही चर्चा हो। शुक्रवार को उन्होंने राज्यसभा के नेता सदन पीयूष गोयल और संसदीय-कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की, ताकि गतिरोध खत्म हो। सरकार भी ऐसा संदेश देना नहीं चाहती कि मणिपुर पर वह कुछ छिपाने की मंशा रखती है या बहस से भाग रही है। विरोधी खेमे में भी लोग मानते हैं कि ऐसा संदेश न जाए कि नियमों की आड़ में विपक्ष बहस से भाग रहा है। राज्यसभा में 'आप' के संजय सिंह और लोकसभा में रिंकू सिंह के निलंबन से विरोधी सदस्यों के व्यवहार में बदलाव आया है। सोमवार को पता लगेगा कि वे आसन के पास आकर विरोध प्रदर्शन करेंगे या नहीं। काफी सदस्य 'वेल' में जाने से हिचक रहे हैं और अपनी-अपनी सीट से ही खड़े होकर विरोध व्यक्त कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि राज्यसभा में कुछ और सदस्य निलंबित हो गए तो सरकार को वोटिंग के दौरान आसानी हो जाएगी।

राहुल को राहत से कांग्रेस उत्साहित

मोदी-मानहानि मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़े मौके पर राहत मिली है। इससे कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने सूरत की सीजेएम अदालत द्वारा सुनाई गई दो साल की सज़ा को स्थगित कर दिया है। अब उनकी सदस्यता बहाल होगी और वे चुनाव भी लड़ पाएंगे। यह फौरी राहत है, पूरी राहत नहीं। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील अभी विचाराधीन है। पूर्णेश मोदी का कहना है कि कानूनी लड़ाई सेशंस कोर्ट में होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सूरत की अदालत के फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। उसके अनुसार अदालत जजों ने यह नहीं बताया कि राहुल गांधी को मानहानि के मामले में अधिकतम सजा क्यों दी गई। विधि-विशेषज्ञ मानते हैं कि निचली अदालत के फैसले को सेशंस कोर्ट निरस्त भी कर सकता है और जिन आधारों पर राहुल गांधी को अधिकतम सजा दी गई है, उनकी पुष्टि भी कर सकता है। सजा कम भी की जा सकती है या निचली अदालत के फैसले को बरकरार भी रखा जा सकता है। उसके बाद दस्तक देने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे हैं। राहुल गांधी की सदस्यता का संकट फिलहाल दूर हो गया है।

अगला कदम

लोकसभा में दिल्ली-सेवा विधेयक पर अपनी बात रखते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इस बिल के पास हो जाने के बाद आम आदमी पार्टी आपके गठबंधन को छोड़ देगी। विपक्ष इस बिल का विरोध इसलिए कर रहा है, क्योंकि अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो आम आदमी पार्टी उनके गठबंधन को छोड़ देगी। उनकी बात का मतलब जो भी हो, पर इतना साफ है कि संसदीय-रणक्षेत्र पार करने के बाद विरोधी गठबंधन के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। बेंगलुरु में कहा गया था कि गठबंधन की अगली बैठक अब मुंबई में होगी। 25-26 अगस्त की तारीख भी घोषित हो गई थी, पर वह बैठक टल गई है। अब इंडिया की बैठक 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच मुंबई में होगी। एनसीपी और शिवसेना बैठक की मेजबानी करने वाले हैं। जिन मुद्दों पर वह बैठक होने वाली थी, संभवतः उन्हें लेकर सहमति अभी बनी नहीं है। मुंबई में इस गठबंधन की पहली रैली भी होने की संभावना है, पर ज्यादा बड़ा काम है, गठबंधन के संयोजक या कन्वीनर के नाम की घोषणा। गठबंधन के राजनीतिक नैरेटिव या विचारधारा के छत्र को तैयार करने का काम भी बड़ा है, जिसके नीचे सब खड़े होंगे। उससे भी बड़ा काम है उस गणित को तैयार करने का, जिसके आधार पर चुनाव में बीजेपी के प्रत्याशियों से 'वन-टू-वन' का मुकाबला किया जाएगा।

बहरहाल विरोधी एकता की गाड़ी मंथर गति से चल रही है। असली सवाल गणित और केमिस्ट्री के उठेंगे। बाहर-बाहर काफी एकता नज़र आती है, पर भीतर की दीवारें अभी कच्ची हैं। कच्ची दीवार से 2024 का महल खड़ा करना कठिन प्रतीत होता है।

मोदी का मुकाबला?

गठबंधन के नेता या मोदी के मुकाबले में अपने नाम को लेकर बात करने से कांग्रेस पार्टी बच रही है। समन्वय समिति और संयोजक के नाम को लेकर किसी स्तर पर अनिश्चय है। नीतीश कुमार ने इस विपक्षी-एकता की पहल की है। उनकी अपेक्षाएं भी होंगी, पर ज्यादा बड़ा सवाल है कि गठबंधन की केंद्रीय अवधारणा कहां बन रही है और कौन इस विचार का सूत्रधार है? मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी दोनों ने कहा है कि हमारी दिलचस्पी प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी को लेकर नहीं है। चुनाव के पहले कांग्रेस किसी चेहरे को सबसे आगे करने के पक्ष में होगी भी नहीं। संभवतः राहुल गांधी नहीं चाहेंगे कि चुनाव-प्रचार के दौरान उन्हें सीधे मोदी के मुकाबले खड़ा किया जाए, पर ज्यादा बड़ा सिरदर्द सीटों के बंटवारे का है। ममता बनर्जी चाहेंगी कि कांग्रेस और सीपीएम की दोस्ती खत्म हो। दोस्ती रहे भी, तो दोनों पार्टियां बंगाल को तृणमूल के भरोसे छोड़ें। पूरी तरह नहीं भी छोड़ें, तो काफी सीटें छोड़ दें। आम आदमी पार्टी पंजाब, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सीटें मांगेगी। राष्ट्रीय स्तर पर उभरने का उसके पास मौका ही यही है।

साझा कार्यक्रम

बेंगलुरु की मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि मुंबई की अगली मीटिंग में इस गठबंधन के ग्यारह सदस्यों की समन्वय समिति बनाई जाएगी और वहीं गठबंधन का संयोजक तय किया जाएगा। दिल्ली में 'सचिवालय' बनाने का फैसला भी किया गया। चुनाव अभियान और अलग-अलग विषयों की उप-समितियों के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए इसकी जरूरत होगी। इस समन्वय समिति और उप-समितियों के सदस्यों के नाम अभी घोषित नहीं हुए हैं। इन्हें 2024 के चुनाव का साझा कार्यक्रम और प्रचार के बिंदुओं को तैयार करना है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह एकता लोकसभा चुनाव के लिए है या राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी काम करेगी। गठबंधन की एकसूत्रता सबसे बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से फैसले होने में समय लगता है, पर वह ज्यादा बचा भी नहीं है। पांच राज्यों के चुनाव सिर पर हैं, जिससे दबाव बढ़ रहा है। आगे देखना होगा कि मिशन 2024 के लिए कांग्रेस और बाकी विपक्ष किस तरह की रणनीति अपनाते हैं और भाजपा नीत राजग उसका मुकाबला कैसे करता है।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

पुलिस थाना अधिकारी का किया स्वागत

सितारा न्यूज नेटवर्क

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर के उपनगर में गंगाशहर नागरिक परिषद का प्रतिनिधिमंडल गंगाशहर के नवनियुक्त थानाधिकारी परमेश्वर सुथार से गंगाशहर की ट्रैफिक व अन्य समस्याओं के निदान के लिए मिला। इस अवसर पर कन्हैयालाल बोथरा ने थानाधिकारी महोदय को अवगत करवाया कि गंगाशहर नोखा रोड़ पर पुराने व नये बस स्टैंड के पास यातायात की हालात बहुत खराब है। गंगाशहर के पुराने बस स्टैंड से नोखा, घड़सीसर, बीकानेर व गंगाशहर चारों तरफ के रास्तों का क्रॉसिंग पॉइण्ट है। रोड़ के पास बेतरतीब टैक्सी स्टैंड में लोगों के खड़े होने के लिए मार्किंग की भी आवश्यकता है। पूर्व में भी यहां कई दुर्घटनाएं हुई है। जतनलाल दूगड़ ने कहा कि पुराने व नये बस स्टैंड पर मुख्य मार्ग पर रोड़ क्रास के सामने ही बसे रोक दी जाती है। वहां यात्रियों के चढ़ने उतरने के साथ ही अलग अलग दिशा से आने जाने वाले वाहनों को असुविधा के साथ ही दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बसों को रोक कर सवारी उतारने चढ़ाने के लिए मुख्य सड़क के से के किनारे अलग स्थान निर्धारित होना चाहिए। इसके साथ ही साथ गांधी चौक व बाजार में शाम के वक्त पुलिस की गश्त जरूरी की जावे। सम्पतलाल दूगड़ ने कहा कि गंगाशहर सैटेलाईट अस्पताल के पास मुख्य बाजार में यातायात की समुचित व्यवस्था के लिए समय-समय पर ध्यान रखने का अनुरोध किया। शिखरचन्द सुराना व श्री ऋषभ बोथरा ने भी कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कंचनपुर पुलिस की कार्रवाई, नाबालिग बालिका से बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सितारा न्यूज नेटवर्क

बाडी/अंकित गोयल। नाबालिक बालिका से बलात्कार करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी सुनील उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया । प्रकरण दर्ज होने के मात्र 05 दिवस के अन्दर त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । कार्यवाही विवरणः- पुलिस अधीक्षक धौलपुर मनोज कुमार आईपीएस द्वारा नाबालिक बालिकाओं से बलात्कार एंव पोस्को एक्ट के मामलो में वांछित चल रहे अपराधियों को अतिशीघ्र गिरफ्तार करने के आदेश दिये गए है जिस पर दिनांक 04.08.2023 को विजय कुमार सिंह आरपीएस वृताधिकारी वृत धौलपुर ग्रामीण सैंपऊ के निकटतम सुपरविजन में योगेन्द्र कुमार शर्मा उप निरीक्षक थानाधिकारी थाना कंचनपुर द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा नंबर 274/ 23 धारा 376, 457, 342 पोस्को एक्ट थाना कंचनपुर में फरार चल रहे मुल्जिम सुनील उर्फ छोटू पुत्र जगदीश उम्र 19 साल जाति लौधा निवासी डौगर पुर थाना सदर धौलपुर जिला धौलपुर को मात्र 05 दिवस के अन्दर कार्यवाही करते हुये पुलिस चौकी गुम्मट बाडी के पास से गिरफ्तार कर सफलता प्राप्त की है एवं थाना क्षेत्र में वांछित बदमाशों की धरपकड़ का अभियान लगातार जारी है ।

गठित टीम का विवरण: योगेन्द्र कुमार शर्मा उप निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना कंचनपुर, गजन सिंह, सोनवीर सिहं, उमेश सिहं, रामनिवास, पूरनमल, श्रीकांत, योगेन्द्र कुमार पुलिस थाना कंचनपुर मौजूद रहे।

छात्र छात्राओं को लघु फिल्म दिखा कर बाल विवाह के प्रति किया जागरूक

सितारा न्यूज नेटवर्क

बस्सी (रामफूल मीणा)। बस्सी उपखंड क्षेत्र के शारदा इंटरनेशनल अकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बस्सी में एस .के फाउंडेशन सिनेमा ऑन व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड जयपुर द्वारा गुरुवार को कक्षा एक से कक्षा 12 तक के छात्र छात्राओं को यूनिसेफ द्वारा निर्मित बाल विवाह व लैगिक असमानता ,रोड सेफ्टी आदि विषयों पर लघु फिल्म दिखाई गई यह फिल्म बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी व ज्ञानवर्धक लगी इस फिल्म को सभी छात्र छात्राओं के साथ विद्यालय के समस्त स्टाफ के सदस्यों ने भी देखा और इस दौरान छात्र छात्राओं की संख्या 160 के लगभग रही और इस दौरान विधालय का सम्पूर्ण स्टाफ मौजूद रहा और इस दौरान विद्यालय द्वारा एस के फाउंडेशन और सिनेमा ऑन व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड के इस प्रयास की प्रशंसा की गई । विद्यालय परिवार की और से आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया । इस मौके पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर रामबाबू शर्मा और वरिष्ठ अध्यापक बाबू लाल शर्मा, को-ऑर्डिनेटर प्रहलाद शर्मा , राकेश शर्मा, सुनीता गुप्ता, ममता चौधरी, अंजना मेम सहित सम्पूर्ण स्टाफ उपस्थित रहे । इस दौरान छात्र-छात्राओं में भी काफी उत्साह दिखाई दिया ।

दांतारामगढ़ में वीरेन्द्र सिंह ने किया राजीव गांधी शहरी एवं ग्रामीण ओलंपिक खेलों का शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

सीकर। राजस्थान में शनिवार से शुरू हुये राजीव गांधी शहरी एवं ग्रामीण ओलंपिक खेलों का विधानसभा क्षेत्र दांतारामगढ़ में विधायक वीरेन्द्र सिंह ने डूकिया व खाटूश्यामजी नगरपालिका क्षेत्र में शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यह खेल राज्य सरकार की एक अभिनव पहल है, इन खेलों से गांवों व शहरों के अनेकों प्रतिभावान खिलाड़ियों को मौका देने का राज्य सरकार का एक बेहतरीन प्रयास है। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक वीरेंद्र सिंह ने खाटूश्यामजी व डूकिया में झंडारोहण कर विधिवत उद्घाटन किया ।इस मौके पर उपखंड प्रशासन ने खिलाड़ियों को एक–एक टीशर्ट व एक एक पौधा निःशुल्क वितरित किया।

इंदिरा गांधी स्टेडियम में हुआ राजीव गांधी ओलम्पिक खेलों का आगाज

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने दीप प्रज्जवलन कर किया ओलंपिक खेलों का शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

युवराज शर्मा /अलवर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर प्रदेश भर में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का जिले में उत्साह के साथ भव्य रूप में आगाज हुआ। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल 2023 के तहत शहरी ओलम्पिक खेलों का इंदिरा गांधी स्टेडियम तथा ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जटियाना में दीप प्रज्वल एवं ध्वजारोहण कर शुभारम्भ किया तथा मार्चपास्ट के दौरान सलामी दी।मंत्री जूली ने जिलेवासियों को राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों की शुभकामना देते हुए अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं खेल मंत्री अशोक चांदना के नवाचार के तहत प्रदेश में बन रहे खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण एवं शहरी क्षेत्रा के लोगों की मांग पर विगत वर्ष आयोजित किए गए ग्रामीण ओलम्पिक की तर्ज पर इस वर्ष राजीव गांधी शहरी एवं ग्रामीण ओलम्पिक खेलों को आयोजित कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि डबल ओलम्पिक के आयोजन से राजस्थान का देशभर में खेलों के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि इन खेलों में ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाडियों के साथ-साथ अब शहरी क्षेत्रों के खिलाडियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा फिट राजस्थान हिट राजस्थान के सपने को साकार करते हुए इन खेलों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की पुरानी कहावत है कि ह्यखेलोगे कुदोगे होओगे खराब, पढोगे लिखोगे बनोगे नवाबह्न वाली कहावत अब बदल रही है अब पढने-लिखने से तो नवाब बना जा सकता है तथा खेलने-कूदने से भी खिलाडी नवाब बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के खिलाडियों को डीएसपी स्तर की नौकरी आउट ऑफ टर्म दी गई है। खेल सुविधाओं में विस्तार किया गया है। ग्राम पंचायत स्तर पर स्टेडियम बनाने की घोषणा की गई है जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को खेल के माध्यम से अपना भविष्य बनाने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी शहरी एवं ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में प्रदेश में करीब 60 लाख खिलाडी बढचढ कर भाग ले रहे हैं तथा इन खेलों के उद्घाटन दिवस पर खिलाडियों ने अपने मोबाइल के माध्यम से शपथ ग्रहण कर देश-दुनिया में इतनी बडी संख्या में भाग लेने का कीर्तिमान स्थापित किया जो अब तक का गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड साबित होगा। उन्होंने खिलाडियो से कहा कि खेल को हार-जीत की भावना से ना खेलकर खेल को खेल की भावना से खेला जाए ताकि प्रदेश में प्यार, प्रेम और भाईचारे का संदेश जावे। उन्होंने युवाओं से कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए हर प्रकार के नशे से दूर रहे क्योंकि नशे का खामियाजा नशा करने वाले और उसके परिवार को भुगतना पडता है। उन्होंने युवाओं को फिट राजस्थान, हिट राजस्थान की शपथ दिलाई।

इस दौरान कार्यक्रम में रा.उ.मा.विद्यालय महुआ खुर्द के विद्यार्थियों ने चूडी चमके रे गीत पर सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रस्तुत की तथा ओलम्पिक गीत गायन कर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। खुदनपुरी की टीम ने हॉकी स्टीक के साथ चकदे इंडिया का गीत कुछ करिये-कुछ करिये गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सेल्फी पॉइंट लगाया गया जिसमें युवाओं ने अपनी सेल्फी ली। मेडिकल टीम व एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई।

इस अवसर पर जिला बीसूका उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, सरपंच आरिफ खान, हाजी उस्मान खान, जफरू खान, खेमचंद जांगिड, हासिम, ताराचंद, लाडखान, इमरान, सपात, मूलचंद गुर्जर, असरू खान, सत्तार, शहजाद खान, अजीत यादव, असलूप, अयूब खान, नितिन धाकड, वकील खान, विरेन्द्र यादव, राजेश लवाणिया, जिला कलक्टर पुखराज सेन, एडीएम प्रथम उत्तम सिंह शेखावत, एडीएम द्वितीय इन्द्रजीत सिंह, जिला परिषद के सीईओ कनिष्क कटारिया, नगर निगम आयुक्त मनीष कुमार फौजदार, सीडीईओ नेकीराम, एडीपीसी मनोज शर्मा, तथा रिपूदमन गुप्ता, सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में खिलाडी व आमजन उपस्थित रहे।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का हुआ आगाज

मैदान तैयार नही तो फिर खिलाड़ी कैसे दिखाएंगे अपना जलवा

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना । अलवर जिले के रैणी-उपखंड क्षेत्र के माचाड़ी कस्बे के सीनियर सैकेंडरी विद्यालय के खेल मैदान में जगह-जगह घास उगी हुई है जिसमें जहरीले जानवरों का डर भी बना रहता है। ऐसे में खिलाडी खेलने के लिए कैसे तैयार हो। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का उद्घाटन मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर तथा फीता काटकर विधायक पुत्र उमेदी लाल मीणा व सरपंच इंदु देवी द्वारा प्रातः 9:00 बजे किया गया। इस ओलंपिक खेल के मुख्य अतिथि विधायक पुत्र उम्मीदें लाल मीणा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच इंदु देवी आनन्द सिंह राजपूत द्वारा की गई। मंच का संचालन अध्यापक सुभाष चंद्र शर्मा ने किया।मोके पर जो खिलाड़ी उपस्थित हुए उन्हें मुख्य निर्णायक कमल सिंह मीणा शारीरिक शिक्षक द्वारा खेल खिलाया गया। जैसे कि कबड्डी,वॉलीबॉल खेल खिलाएं गए और खेल मैदान में जगह-जगह घास उगी होने के कारण बच्चे अन्य खेलो को खेल नहीं पाए। खेल मैदान में जगह-जगह घास उगी होने के कारण बच्चों को खेलने में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में खिलाडियो का सर्वांगीण विकास कैसे होगा और वह कैसे आगे बढ़ पाएंगे। कार्यक्रम के इस अवसर पर बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य ललिता अवस्थी,रेलवे के सेवानिवृत्त हरिकिशन मीणा, नागराज शर्मा, पीईईओ अधीन परिक्षेत्र के समस्त कार्मिक, दल प्रभारी एवं टीम प्रभारियों सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। मिडिया को यह सारी जानकारी माचाडी से नागपाल शर्मा के द्वारा दी गई है।

स्थानीय विधायक जौहरी लाल मीणा के मुख्यातिथ्य में हुआ शिलान्यास

प्रागपुरा पंचायत में 30 लाख व 52.50 लाख की राशि से बनने वाली दो डामर सड़कों का हुआ शिलान्यास

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रैणी प्रधान प्रतिनिधि मांगेलाल मीणा ने की शिरकत

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना। अलवर के रैणी-उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत-प्रागपुरा मे प्रागपुरा से बिवाई रोड तक डामर सड़क एक किलोमीटर 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित होगी तथा दूसरी डामर सड़क नीचला लादिया से घाटी मे से होकर उपरला लादिया तक 52.50 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली सड़क का शिलान्यास शनिवार को स्थानीय विधायक जौहरीलाल मीना के मुख्यातिथ्य मे सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रैणी प्रधान प्रतिनिधी मांगेलाल मीना रिटायर्ड चीफ इंजीनियर और मण्डल डायरेक्टर पप्पू गुर्जर और जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधी पप्पू खड़गपुर और डोरोली सरपंच प्रतिनिधी छज्जू गुर्जर सहित रैणी पीडब्लूडी एईएन शिवराम मीना व रैणी जलदाय विभाग के एईएन कपिल मीना रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय सरपंच ओमप्रकाश बैरवा के द्वारा की गई।

सरपंच बैरवा ने बताया कि इन दोनो डामर सड़क निर्माण के बाद आमजन को आवागमन मे बहुत अच्छी सुविधा हो जाएगी। कार्यक्रम मे पधारे सभी अतिथियो का स्थानीय पंच पटेलो के साथ साथ स्थानीय सरपंच द्वारा फूल मालाओ से व साफा बांधकर जोरदार स्वागत सत्कार किया। इस दौरान रैणी प्रधान प्रतिनिधी मांगेलाल मीना , मण्डल डायरेक्टर पप्पू गुर्जर व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधी व पूर्व सरपंच पप्पू राम खड़गपुर और डोरोली पंचायत सरपंच छज्जु राम गुर्जर सहित पीडबलुडी विभाग के एईएन शिवराम मीना व जलदाय विभाग के जेईएन भरतलाल व एईएन कपिल मीना , आरडी बैरावण्डा , स्थानीय ग्राम विकास अधिकारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मिडिया को यह सारी जानकारी स्थानीय सरपंच ओमप्रकाश बैरवा व विभागीय एईएन शिवराम मीना के द्वारा दी गई है।

आई.एम.ए.हॉल में ब्रैस्ट फीडिंग सप्ताह व अंगदान शपथ कार्यक्रम की एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

रुपेश शर्मा / अलवर। आई.एम.ए. हॉल , सामान्य चिकित्सालय अलवर में ब्रैस्ट फीडिंग सप्ताह कार्यक्रम की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आई.एम.ए. अलवर , गायत्री परिवार, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर ,सी.एम.सी. मदर मिल्क बैंक तथा इनर व्हील क्लब अलवर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। आई.एम.ए. अलवर सचिव डॉ.विजय सिंह चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुनील चौहान झ पी.एम.ओ.अलवर, कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में गायत्री परिवार की डॉ.सरोज रावत एवं गायनी डिपार्टमेंट से डॉ. ऋचा गुप्ता थी कार्यक्रम का प्रारम्भ गणेश जी की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प माला पहनाकर किया गया ! मुख्य अतिथि डॉ. सुनील चौहान को कार्यक्रम संयोजक सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया अलवर ब्रांच के चेयरमैन गिरीश गुप्ता ने गमले में पौधा देकर स्वागत किया वही कार्यक्रम सहसंयोजक डॉ. कल्पना शर्मा ने आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ. एस. सी. मित्तल को, नर्सिंग प्रेसिडेंट राजपाल यादव को एवं आई.एम.ए. अलवर सचिव डॉ.विजय सिंह चौधरी को पौधा देकर स्वागत किया। स्वागत उद्बोधन में आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ. एस. सी. मित्तल ने सभी अतिथियों एवं वक्ताओ तथा पधारे हुए नर्सिंग स्टूडेंट्स, ए.एन.एम., आशा सहयोगिनीयो का पधारने पर स्वागत किया डॉ. कुमकुम खण्डेलवाल ने ब्रैस्ट फीडिंग सप्ताह की जानकारी प्रदान कराई। मुख्य वक्ता के रूप में गायत्री परिवार की डॉ. सरोज रावत ने मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य में योगदान विषय पर विस्तृत रूप से सदन को बताया वही डॉ. ऋचा गुप्ता ने स्लाइड शो के माध्यम से ब्रैस्ट फीडिंग की इम्पोर्टेंस , स्तनपान में आने वाली समस्याओ एवं उसके समाधानो पर विस्तृत जानकारी देते हुए सदन में प्रश्नोतरी कार्यक्रम भी रखा गया। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील चौहान ने अपने उद्बोधन में आज के कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी सहयोगी संस्थाओ को धन्यवाद देते हुए कहा कि अगर हम सभी भारतीय संस्कृति को अपनाये तो बेहतर होगा पाश्चात्य संस्कृति को छोड़कर देसी संस्कृति के गुण आने वाली पीड़ी में देंगे तो एक स्वस्थ स्तनपान का तरीका महिलाओ को स्वतः पता होगा इस तरह के आयोजनों की हमें जरुरत नहीं पड़ेगी । कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगो को डॉ. एस. सी. मित्तल ने शपथ दिलवाई धन्यवाद ज्ञापन इनर व्हील क्लब अलवर की अध्यक्ष अलका मित्तल ने किया । इस मौके पर इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष अल्का मित्तल, पुष्पा यादव, सचिव शारदा कटारिया, किरण कक्कड़,मंजू गुप्ता, डॉ.सरोज रावत, डॉ शिव कुमार - यूनिसेफ कॉर्डिनेटर आई.एम.ए.कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक श्रीवास्तव, डॉ. ऋचा गुप्ता , नर्सिंग प्रेसिडेंट राजपाल यादव सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टूडेंट्स, आंगनबाडी कार्यकर्ता, ए.एन.एम., आशा सहयोगिनी उपस्थित रहे ।

महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट के द्वारा लगाया चिकित्सा शिविर

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट के द्वारा एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का दिल्ली के शाहदरा जोन में फुटा रोड, वेस्ट ज्योति नगर दुगार्पुरी चौक, बाबरपुर शाहदरा दिल्ली श्री पारसनाथ फायर वर्क्स व जाना मोटर्स ट्रेनिंग स्कूल के पास आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर प्रशांत शर्मा, कान-नाक-गले की विशेषज्ञ व भारत की शीर्ष तृतीय स्थान की डॉक्टर नेहा शर्मा व मेडिस अस्पताल व चेरिटबल ट्रस्ट और शशिकांता आँख लेजर सेंटर तथा श्री पारसनाथ फायर वर्क्स व आरके स्टूडियो ने सहयोग कर्ता के रूप में भरपूर सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा ने बताया ट्रस्ट की और से निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें निःशुल्क में आँख, नाक, कान, गला, बीपी, शुगर, लिवर, किडनी आदि की निशुल्क में जाँच कराई गई। जिसमें लगभग 300 लाभार्थियो ने इस सेवा का लाभ उठाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी द्वारा आधारित हिंदी फि ल्म मिस्टर चटर्जी विरुद नार्वे कहानी की रियल जीवन पर आधारित फि ल्म की पात्ररिका सागरिका चक्रवर्ती, प्रसिद्ध लोकप्रिय ज्योतिषाचार्य व वास्तुविशेषज्ञ तथा श्री सनातन धर्म शिव मंदिर के महंत डॉक्टर राजेश ओझा, विशिष्ट आतिथि के रूप में रोहताश नगर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक जितेन्द्र महाजन, लक्ष्मी नगर के लोकप्रिय विधायक अभय वर्मा, कर्दमपुरी वार्ड के निगम पार्षद मुकेश बंसल, समाजसेवक अभिषेक जैन, समाजसेविका रुचि भट्ट आदि ने कार्यक्रम में पहुँचकर शोभा बढ़ाई।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

किरण स्कूल गोविन्दपुरा में पौधे लगाकर दिया पर्यावरण बचाने का सन्देश

कर्मवीर सिंह बेनीवाल ने कहा कि पौधे हमारी प्रकृति के लिये महत्वपूर्ण है

सितारा न्यूज नेटवर्क

गोविंदपुरा। किरण बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोविन्दपुरा में विद्यार्थियों व शिक्षको ने पौधे लगाकर वातावरण को स्वच्छ रखने व पर्यावरण को बचाने का सन्देश दिया। संस्था प्रबन्ध निदेशक कर्मवीर सिंह बेनीवाल तथा प्रधानाचार्या डॉ. सरिता बेनीवाल ने पौधे लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रारंभ किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शिक्षको ने मिलकर पौधे लगाये। संस्था प्रबन्ध निदेशक कर्मवीर सिंह बेनीवाल ने बताया की पौधे हमारी प्रकृति के लिये कितना महत्व रखते है हमें इनको बचाना चाहिए तथा अपने घर व आसपास पौधे लगा कर उनका ध्यान रखना तथा वातावरण को स्वच्छ रखने के बारे में बताया। डॉ. सरिता बेनीवाल ने भी इस मौके पर कहां कि वृक्ष अनमोल धरोहर है। पृथ्वी पर वृक्ष ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों एवं पहाड़ों पर लगे विभिन्न प्रकार के वृक्षों से जड़ी बूटियां लोगों को प्राप्त होती हैं जो मानव जीवन के लिए अमृत समान हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन काल में कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाना चाहिए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए एक एक पौधे लगाने का वचन लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्टाफ साथी के साथ विद्यार्थियों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

ग्राम पंचायत स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का हुआ शुभारंभ

ग्राम पंचायत जोरपुरा सुन्दरियावास में 194 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

सितारा न्यूज नेटवर्क

हिंगोनियां। ग्राम पंचायत जोरपुरा-सुन्दरियावास में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारंभ शनिवार को मां सरस्वती की पुजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम संयोजक ग्राम पंचायत जोरपुरा सुन्दरियावास सरपंच कजोड़मल सिंघल ने बताया कि ग्राम पंचायत जोरपुरा सुन्दरियावास से 194 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, टेनिस बॉल, क्रिकेट आदि खेलों में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बाल कलाकारों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य रामनिवास शर्मा थे। कार्यक्रम संयोजक सरपंच कजोड़मल सिंघल ने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक खेलों के प्रति खिलाड़ियों में रूचि बढ रही है। राजस्थान सरकार का खेलों के प्रति यह प्रयास सराहनीय है। इस अवसर पर व्याख्याता राकेश कुमार,राममुर्ती, जुगल किशोर शर्मा, पवन कुमार उज्जवल, प्रियता, शिप्रा दूबे, शेषनारायण जांगिड़, सुनील कुमार पंवार समेत अनेक लोग मौजूद थे। खोलों का आयोजन शारीरिक शिक्षक सुभाष कुल्हरी के नेतृत्व में किया गया।

रणवां ईटी लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड 2023 से हुए सम्मानित

राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया सम्मानित।

सीकर। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियो टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर ईटी लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड -2023' समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र की उपस्थिति में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया । इसी कड़ी में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान व सराहनीय कार्य के लिए हरिराम रणवां को 'एक्सीलेंस अवार्ड 'से नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि रणवां पिछले तीन दशक से राजस्थान के किसानों के कल्याण के लिए अहम भूमिका निभा रहे है ।

सैन समाज उत्थान समिति की बैठक हुई आयोजित, कैलाश चन्द सैन बने तहसील अध्यक्ष

सितारा न्यूज नेटवर्क

लक्ष्मणगढ़। राजस्थान प्रान्तीय सैन समाज उत्थान समिति तहसील शाखा लक्ष्मणगढ़ की एक बैठक शनिवार को कस्बे के कठूमर रोड़ पर एक निजी स्थान पर जिला सरंक्षक कल्याण सहाय सैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में लक्ष्मणगढ़ तहसील की कार्यकारिणी के चुनाव कराये गये। चुनाव जिला सरंक्षक कल्याण सहाय सैन व धौलागढ़ अध्यक्ष मुकेश कुमार सैन की देखरेख में सम्पन्न हुए। जिसमें सर्व सम्मति से कैलाश चन्द सैन को तहसील लक्ष्मणगढ़ अध्यक्ष चुना गया। वही रामकिशन सैन खुडियाना को महामंत्री, सोनू कुमार सैन मौजपुर को कोषाध्यक्ष चुना गया। बाद में नवीन कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

विपत्ति में महिलाएं व बालिकाएं स्वयं को अकेला व कमजोर ना समझे, देश व समाज हमेशा उनके साथ...

11हजार महिलाओं व बालिकाओं से रक्षासूत्र बंधवायेंगे हरसहाय यादव, अभियान शुरू

प्रत्येक बुराई का अंत निश्चित है : हरसहाय यादव

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। देश व समाज को झकझोर व विचलित कर देने वाली घटनाओं विशेषकर मणिपुर में हुई घटना पूरे समाज को शर्मसार कर देने वाली घटना है जिससे बालिकाओं के मन में जो एक डर की भावना व्याप्त हो गई है, उसको दूर करने के लिए व महिलाओं व बालिकाओं में हिम्मत का संचार करने के लिए राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव ने राज्य की 11 हजार बालिकाओं और महिलाओं से रक्षासूत्र बंधवाने के लिए अभियान शुरू किया है । अभियान के जरिये बालिकाओं-महिलाओं को यह एहसास दिलवाया जाएगा कि चंद बुरे लोगों के व्यवहार से हतोत्साहित नहीं होना है और हर विपरीत परिस्थिति का मजबूती से मुकाबला करना है।

हरसहाय यादव ने अभियान की शुरूआत शनिवार 5 अगस्त को श्रीकृष्ण महिला छात्रावास, चौमूं में अध्ययनरत छात्राओं से रक्षासूत्र बंधवाकर की ।यह अभियान रक्षाबंधन तक जारी रहेगा । इस दौरान हरसहाय यादव क्षेत्र में जगह-जगह स्कूल और कॉलेजों का दौरा करेंगे और महिलाओं तथा बालिकाओं से रक्षासूत्र बंधवाकर उनसे सकारात्मक संवाद करेंगे व महिलाओं को यह एहसास करवाने का प्रयास करेंगे कि प्रत्येक बुराई का अंत होना निश्चित है...! हरसहाय यादव का महिलाओं व बालिकाओं से रक्षा सूत्र बंधवाने के इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को यह सन्देश देना है कि किसी भी विपत्ति में बालिकाएं व महिलाएं खुद को अकेला और कमजोर ना समझें, क्योंकि समाज और देश हमेशा उनके साथ है ।

छात्रावास में अध्ययन करने वाली बालिकाओं सीमा,शीतल एवं अन्य ने रक्षासूत्र अभियान का स्वागत करते हुए इसे बालिकाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक पहल बताया । बालिकाओं ने कहा कि आज के हालात में समाज में ऐसे अभियान की पुरजोर आवश्यकता है ।सभी समाजों और संगठनों तथा गणमान्य लोगों को गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन और भागीदारी करनी चाहिए ।जिससे की बालिकाओं व महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार होगा और वे किसी भी विकट या विपरीत परिस्थिति का मजबूती से सामना कर सकेंगी ।

गौरतलब है कि हरसहाय यादव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने कहा कि यादव समाज बालिकाओं को शिक्षा देने के काम में हमेशा अग्रणी रहा है, इसी क्रम में दूर-दराज ग्रामीण इलाके की बालिकाओं को चौमूं शहर में रहकर पढ़ाई करने पर आवास की सुविधा देने के लिए समाज के सहयोग से उन्होंने जयपुर ग्रामीण के अध्यक्ष रहते हुए बालिका छात्रावास का निर्माण करवाया है । जिसमें रहकर सैकड़ों बालिकाओं ने ना सिर्फ अपना भविष्य उज्वल किया है, बल्कि अपने गांव, कस्बे और ढाणी की अन्य बालिकाओं को भी पढाई के लिए प्रोत्साहित किया है ।

हरसहाय यादव ने बताया कि यादव समाज ने इस छात्रावास में दूसरे समाजों की बालिकाओं को प्रवेश देने का निर्णय लिया हुआ है और खुशी की बात है कि दूसरे समाज की बालिकाओं ने भी छात्रावास में रहकर अपनी पढ़ाई की और शिक्षा के माध्यम से अपना भविष्य संवारा है, यह आम लडकियों और सभी समाजों को बालिकाओं के सशक्तिकरण और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने वाला सर्वोत्तम उदहारण है ।

यादव ने इस अवसर पर छात्रावास की बालिकाओं को उपहार-स्वरूप पेन-कॉपी भेंट कर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी ।इस अवसर पर जयपुर जिला अध्यक्ष यादव महासभा सरदार सिंह चौरिया, स्टेट कॉर्डिनेटर सागर मावर, अमरचंद मंडावरा,डॉ जे.पी. सैनी, किसान कांग्रेस प्रवक्ता कृष्णदत्त शर्मा, यूथ अध्यक्ष चौमूं मनीष बागोरिया, नानूराम कुमावत, मालीराम यादव, उदयवीर सिंह, सहित अनेक गणमान्य व विशिष्ट लोग उपस्थित रहे ।

महिलाओं ने रस्सी कस्सी में दिखाया अपना दमखम

जाजोद में ग्रामीण ओलंपिक खेलों का आगाज

सितारा न्यूज नेटवर्क

जाजोद(अरविन्द कुमार)। ग्राम पंचायत जाजोद की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का आगाज हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सरपंच महेंद्र कुड़ी थे वही विशिष्ट अतिथि में पूर्व सरपंच रघुनाथ सिंह महला, ख्यालीराम लाटा, वीरेंद्र लाटा, सीएसपीएस निदेशक जी.एल. महला, सत्तार मोहम्मद, बाबूलाल बुरडक, फूलचंद बराला मंचस्थ रहे जिनका विद्यालय स्टाफ द्वारा सभी अतिथियों का श्याम दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ ध्वजारोहण कर किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमन तोबड़िया ने बताया की सभी खिलाड़ियों को एक-एक टी-शर्ट एवं एक-एक पौधा वितरित कर सार संभाल की जिम्मेदारी दी गई। प्रधानाचार्या ने सभी खिलाडियों को खेल को खेल की भावना से खेलने की बात कही। शारीरिक शिक्षक श्रीराम सामोता ने बताया की खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिन राजीविका की महिलाओं ने रस्सी कस्सी में अपना दमखम दिखाया वही रस्सी कस्सी प्रतियोगिता में जाजोद की टीम विजेता रही। उन्होने बताया कि द्वितीय मैच वॉलीबॉल का खेला गया जिसमें जाजोद की टीम विजेता रही। मंच संचालन उप प्राचार्य गिरधारी लाल देवन्दा ने किया। इस दौरान फूलचंद कुड़ी, घासीराम वर्मा, महेंद्र खोखर, झाबरमल, रुचिका मांडिया, देवेन्द्र लाटा, राजिविका की महिलाएं रेणु, अनिता, रोशन, मधु, पुनम, अनिता देवी, मंजू, मोठी, सुशीला, दिपिका जांगिड़ सहित कई महिला-पुरुष एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का हुआ शुभारंभ

ग्राम पंचायत जोरपुरा सुन्दरियावास में 194 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

सितारा न्यूज नेटवर्क

हिंगोनियां। ग्राम पंचायत जोरपुरा-सुन्दरियावास में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारंभ शनिवार को मां सरस्वती की पुजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम संयोजक ग्राम पंचायत जोरपुरा सुन्दरियावास सरपंच कजोड़मल सिंघल ने बताया कि ग्राम पंचायत जोरपुरा सुन्दरियावास से 194 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, टेनिस बॉल, क्रिकेट आदि खेलों में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बाल कलाकारों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य रामनिवास शर्मा थे। कार्यक्रम संयोजक सरपंच कजोड़मल सिंघल ने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक खेलों के प्रति खिलाड़ियों में रूचि बढ रही है। राजस्थान सरकार का खेलों के प्रति यह प्रयास सराहनीय है। इस अवसर पर व्याख्याता राकेश कुमार,राममुर्ती, जुगल किशोर शर्मा, पवन कुमार उज्जवल, प्रियता, शिप्रा दूबे, शेषनारायण जांगिड़, सुनील कुमार पंवार समेत अनेक लोग मौजूद थे। खोलों का आयोजन शारीरिक शिक्षक सुभाष कुल्हरी के नेतृत्व में किया गया।

राजीव गांधी शहरी एवं ग्रामीण ओलम्पिक का आयोजन शरू

उमेश कुमार मोदी/चानी बीकानेर। राजस्थान सरकार द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलम्पिक खेल का आयोजन 5 अगस्त से शुरू हुऐ जिसमे ग्रामीण क्षेत्र मे खेल के प्रति बनी रहे,चानी की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे ग्रामीण ओलम्पिक खेल का आयोजन हुआ जिसमे सरपंच प्रतिनिधि किशनाराम पंवार के द्वारा उद्घघाटन किया गया प्रतिनिधि ने बताया की राज्य सरकार की इस पहल से बच्चों को खेल के प्रति भावना, ज्यादा से ज्यादा भाग लेने और गांव का नाम रोशन करने की बात कही ओलम्पिक के पहले दिन बॉलीवल, रस्सा कस्सी हुआ ` आयोजन में वर्ड पंच भंवरसिंह,ओमप्रकाश, कन्हैयालाल पंवार, मनीष उपाध्याय, व उपस्थित ग्रामीण`

राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों का हुआ आगाज, 3022 खिलाड़ी ले रहे भाग

सितारा न्यूज नेटवर्क

रींगस(अरविन्द कुमार)। रींगस कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों का विधिवत शुभारंभ रींगस उपखंड अधिकारी राकेश कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया, जिसकी अध्यक्षता रींगस डीवाईएसपी महावीर सिंह मीणा के द्वारा की गई। अतिथियों ने शुभारंभ समारोह के दौरान मार्च पास्ट की सलामी ली। उपखंड अधिकारी राकेश कुमार ने सभी खिलाड़ियों को खेलो को खेल की भावना से खेलने की शपथ दिलाई इसके साथ ही ध्वजारोहण करके प्रतियोगिता का आगाज किया गया। रींगस नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सीताराम कुमावत द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। ओलंपिक खेलों के उद्घाटन सत्र में कबड्डी, खो-खो सहित अन्य ग्रामीण परिवेश के खेलों को स्थान दिया गया। रींगस उपखंड अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा बजट घोषणा के अनुसार राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों का आगाज किया गया, खेल प्रतियोगिता में रींगस व आसपास के क्षेत्र के 3022 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। सीकर जिले में जिला प्रशासन के आदेशों से अनूठी पहल करते हुए ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को एक-एक पौधा वितरित करके सार संभाल करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान नायब तहसीलदार झूंडाराम कुड़ी, रींगस सीएचसी प्रभारी डॉ विनोद गुप्ता, सहायक अभियंता मामराज जाखड़, लेखाधिकारी शिवपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सुरज्ञान धाबाई, शिक्षाविद प्रदीप शर्मा, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र बाजिया, रींगस ग्राम सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष दुलाराम बावलिया, श्री सूर्य मंडल समाज सेवा समिति अध्यक्ष हरिप्रसाद बलौदा, पार्षद राकेश शर्मा, मोतीराम जांगिड़, हरदयाल सिंह बलौदा, बाबूलाल राजोरिया, सांवरमल कुमावत, मनोनीत पार्षद भागीरथ बावलिया, मालीराम खरेशिया, ज्ञानचंद महरिया, सुरजमल मोगा, मदन लाल टांक आदि मौजूद थे।

जानना है जरूरी...

मां का दूध बच्चें के लिए सर्वोत्तम आहार : डॉ. भूपेंद्र शर्मा चांदवास

विश्व स्तनपान सप्ताह दिवस के अवसर पर दिया जागरुकता संदेश

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। विश्वभर में एक से सात अगस्त तक के बीच "विश्व स्तनपान सप्ताह" के तौर पर मनाया जाता है। गांव चांदवास निवासी आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि इस दिवस को मनाने का प्राथमिक लक्ष्य यही है कि प्रसूता व शिशुवती महिलाओं मे स्तनपान करवाने के प्रति जागरुकता ,स्तनपान से शिशु,नन्हे बच्चों को कुपोषण व अनेकों प्रकार की बिमारीयों से बचाने , शिशु मृत्यु दर मे कमी लाने, स्तनपान की उपयोगिता व महत्ता समझा कर लोगो मे जागरुकता बढाना है। डॉ भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि मां द्वारा बच्चे को स्तनपान करवाना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता है।

यह बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य का आधार होता है। माता का दूध बच्चे मे सभी प्रकार के पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। बच्चे मे पर्याप्त मात्रा मे उर्जा का संचार करता है । विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मां का पीला व गाढा.कोलोस्ट्म वाला दूध नवजात शिशु के लिए सर्वोतम आहार है इसका सेवन बच्चे को जन्म के तुरंत एक घंटे बाद शुरू करवा देना चाहिए। बच्चे को जन्म के छः महिने तक केवल मां का दूध ही पिलाना चाहिए। इस दौरान मां के दूध के अलावा अन्य पेय पदार्थ पिलाने से बचना चाहिए। बोतल से दूध पिलाना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता हैं। करीब दो वर्ष की उम्र तक बच्चे को मां का स्तनपान करवाना चाहिए। डॉ भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि माता का दूध बच्चे के लिए अमृत के समान होता है। यह बच्चे के शारिरीक विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं। मां के दूध को बच्चे के लिए संपूर्ण आहार माना गया है।

क्योंकि मां के दूध मे एंटीबॉडी मौजूद होते है। जिससे बच्चा स्वस्थ रहता है। माता के दूध मे बच्चे के हेतु पर्याप्त मात्रा मे विटामिन,प्रोटीन ,खनिज ,कलौरी,वसा ,लोहा,खनिज,एंजाइम और पानी इत्यादि होता है।माता का दूध बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से बच्चे अनेकों तरह के वायरस व संक्रमण से बचे रहते है। स्तनपान माता व बच्चे दोनो को काफी प्रकार के रोगों से बचाता हैं इसलिए स्तनपान दोनों के लिए ही फायदेमंद माना गया है। इसके साथ साथ स्तनपान मां और बच्चे के बीच प्यार,स्नेह ,लगाव व भावनात्मक सम्बन्ध को भी बढावा देता है। विश्व स्तनपान सप्ताह दिवस मनाने का एक मुख्य उद्देश्य यह भी है कि जो माताएं स्तन्य कैंसर के कारण अकाल मृत्यु को प्राप्त होती है,स्तनपान के माध्यम से ऐसी अकाल मृत्यु को रोका जा सके। डॉ शर्मा ने चिकित्सा वर्ग के प्रत्येक लोगों से आग्रह किया कि वो अपने-अपने स्तर व आसपास क्षेत्र के लोगो को बच्चों मे स्तनपान की उपयोगिता के महत्व को समझाकर जागरुकता बढाने का काम करे।

सरपंच संघ अध्यक्ष हरिप्रसाद मीना ने किया ओलंपिक खेलों का उद्घाटन

सितारा न्यूज नेटवर्क

रैणी(अलवर)महेश चन्द मीना । अलवर के रैणी-उपखंड क्षेत्र की बहडको पंचायत मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान मे आयोजित ओलंपिक खेल-2023 का उद्घाटन स्थानीय सरपंच एवं रैणी तहसील सरपंच संघ अध्यक्ष हरिप्रसाद मीना के द्वारा किया गया। सरपंच मीना ने खिलाडियो से तथा निर्णायको से अपील करते हुए बोला कि खेल को खेल की भावना से ही खेला जाए तथा खेल खेलने से शरीर भी तन्दूरस्त रहता है और फिजिकली रूप से अच्छा रहता है इस तरह से खेल के महत्व को भी समझाया। इस दौरान ग्राम पंचायत बहड़को के अधीन सारी स्कूलो के खिलाडी व सारी स्कूलो के स्टाफ व स्थानीय विधालय स्टाफ और ग्राम पंचायत प्रशासन मौजूद रहा।

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

विश्व तीरंदाजी : अदिति 17 साल की उम्र में बनीं कम्पाउंड वर्ग में वर्ल्ड चैंपियन

फाइनल में संभावित 150 में से हासिल किया 149 अंक

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

जूनियर विश्व खिताब जीतने के दो महीने से भी कम समय में भारत की 17 साल की अदिति स्वामी शनिवार को विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के कम्पाउंड महिला फाइनल में शनिवार को यहां मैक्सिको की एंड्रिया बेसेरा को हराकर सीनियर विश्व चैंपियन बन गई।

सतारा की इस किशोर खिलाड़ी ने जुलाई में लिमरिक में युवा चैंपियनशिप में अंडर-18 का खिताब जीता था। उन्होंने यहां फाइनल में संभावित 150 अंकों में से 149 अंक के साथ मैक्सिको की खिलाड़ी को दो अंक से पछाड़ा। चैंपियनशिप की 16वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एंड्रिया ने फाइनल में पहुंचने के क्रम में कई दिग्गजों को हराया था जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन सारा लोपेज को मात देना भी शामिल है।

स्वामी का प्रदर्शन

एंड्रिया को फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी से शुरुआत से ही कड़ी चुनौती मिली। अदिति के शुरुआती तीनों तीर से निशाने के केंद्र में लगे जिससे उन्होंने पहले दौर में 30-29 की बढ़त बना ली। उन्होंने लय को जारी रखते हुए अगले तीन दौर में इस प्रदर्शन को दोहराया और तीन अंक की बढ़त बना ली।आखिरी दौर में उन्होंने एक निशाना नौ अंक का लगाया जबकि बाकी दो से 10-10 अंक बटोर कर कुल 149 अंक जुटाए। एंड्रिया 147 अंक ही बना सकी।

जीता दूसरा स्वर्ण पदक

इस प्रतियोगिता में यह उनका दूसरा स्वर्ण पदक है। अदिति ने परनीत कौर और ज्योति सुरेखा वेन्नम के साथ शुक्रवार को कम्पाउंड महिला टीम फाइनल जीतकर भारत के लिए पहली बार विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक हासिल किया था।

ज्योति ने जीता कांस्य

अदिति ने इससे पहले सेमीफाइनल में ज्योति को 149-145 से शिकस्त दी थी। ज्योति ने हालांकि कांस्य पदक जीता। उन्होंने तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में परफेक्ट 150 अंक जुटाकर तुर्की की इपेक टोमरुक को चार अंकों से हराया। ज्योति के पास अब विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के तीन सत्र में एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक हैं।

प्रधानमंत्री ने महिला टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला कंपाउंड टीम की सदस्य ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर ने शुक्रवार को बर्लिन में विश्व चैम्पियनशिन फाइनल में मेक्सिको को हराकर इतिहास रचा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'गर्व का पल कि हमारी कंपाउंड महिला टीम ने बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। हमारे चैंपियनों को बधाई। उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता से यह असाधारण नतीजा निकला।'

महिलाओं की पैदलचाल टीम ने जीता कांस्य पदक

चेंगदू। भारत ने विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में शनिवार को महिलाओं की 20 किलोमीटर पैदल चाल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारत की पूजा कुमावत, निकिता लाम्बा, मानसी नेगी और प्रियंका की चौकड़ी ने 5:12:13 का समय निकाला। चीन (4:52:02) ने स्वर्ण और स्लोवाकिया (5 :05:36) ने रजत पदक जीता। भारत और चीन ने इसमें चार चार खिलाड़ी उतारे थे लेकिन सर्वश्रेष्ठ तीन का ही समय लिया गया। प्रियंका ने 1:40:39 का समय निकाला और वह भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रही।

खबर संक्षेप

चोटिल कमिंस भारत दौरे से होंगे बाहर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस कलाई में चोट के साथ एशेज टेस्ट श्रृंखला का पांचवां मैच खेलने के कारण अगले महीने भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि अभी तक कमिंस की चोट का विवरण नहीं दिया है। कमिंस को अब दक्षिण अफ्रीका और भारत दौरे पर टीम का नेतृत्व करना है। यह श्रृंखला एकदिवसीय विश्व कप से पहले 22 सितंबर से मोहाली में शुरू होगी। एजेंसी के अनुसार, 'इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि मेडिकल स्टाफ ने फ्रैक्चर की आशंका को खारिज नहीं किया है।'

नोस्कोवा और तमारा में होगा मुकाबला

प्राग। चौथी वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा ने स्लोवाकिया की अन्ना कैरोलिना एस को 6-0, 6-2 से हराकर प्राग ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। चेक गणराज्य का लिंडा का सामना अब जर्मनी की क्वालीफायर तमारा कोर्पाश से होगा जिसने छठी वरीयता प्राप्त फ्रांस की एलिज कोर्नेट को 7-6, 6-1 से मात दी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 149 रन चेस नहीं कर पाई टीम इंडिया

आज टी20 में दांव पर भारतीय आईपीएल सितारों की 'साख'

एजेंसी ▶▶| प्रोविडेंस

पहला मैच गंवाने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम जब पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी के लक्ष्य के साथ उतरेगी तो उसके नामी गिरामी आईपीएल सितारों की साख भी दाव पर लगी होगी।

तारोबा में पहले मैच में वेस्टइंडीज ने चार रन से जीत दर्ज की थी। इस साल होने वाले वनडे विश्व कप के मद्देनजर इस टी20 श्रृंखला का उतना औचित्य नहीं है लेकिन कप्तान हार्दिक पंड्या और उपकप्तान सूर्यकुमार यादव व्यक्तिगत तौर पर और एक टीम के रूप में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

इन दोनों के अलावा ईशान किशन, शुभमन गिल और संजू सैमसन की नजरें भी वनडे विश्व कप पर है लेकिन एशिया कप से पहले कुछ अच्छी पारियां खेलकर ये आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तिलक वर्मा (22 गेंद में 39 रन) को छोड़कर भारत का कोई भी आईपीएल स्टार प्रभावित नहीं कर सका।

नौ दिन में तीन देशों की यात्रा थकाउ

पांच टी20 मैच नौ दिन के भीतर तीन देशों (त्रिनिदाद और टोबैगो, गयाना और अमेरिका) में खेले जाने हैं लिहाजा हार्दिक, गिल, ईशान, स्पिनर कुलदीप यादव को पर्याप्त आराम मिलना भी जरूरी है। भले ही टी20 टीम में युवा खिलाड़ी हैं लेकिन आराम किए बिना इतनी यात्रा करके उछालभरी पिचों पर लगातार खेलना अच्छा नहीं है। अगले साल टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है लिहाजा इस श्रृंखला से भारत को सबसे छोटे प्रारूप में अपने विकल्प तलाशने का मौका मिला है।

वेस्टइंडीज टीम मजबूत

इस मैदान पर खेले गए 11 टी20 मैचों में से तीन बारिश की भेंट हो गए जबकि आठ में से मेजबान ने पांच गंवाए हैं। टेस्ट और वनडे में खराब दौर के बावजूद टी20 में वेस्टइंडीज टीम मजबूत है क्योंकि उसके पास कई बिग हिटर हैं। निकोलस पूरन, काइल मायर्स, शिमरोन हेटमायेर, रोवमैन पॉवेल, रोमारियो शेफर्ड इनमें प्रमुख हैं जिनके बल्ले पर अंकुश लगाना टेढ़ी खीर होगा।

शहर की स्कीम दो का है मामला

घरों के बाहर खड़े वाहनों से पेट्रोल व डीजल हो रहा चोरी

स्थानीय लोगों ने कोतवाली थाने में ज्ञापन देकर वाहनों से पेट्रोल व डीजल चोरों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

सितारा न्यूज नेटवर्क

रुपेश शर्मा / अलवर । शहर के स्कीम दो के नागरिकों ने शुक्रवार को कोतवाली थाना अधिकारी नरेश शर्मा को ज्ञापन देकर रात में कॉलोनी में घरों के बाहर खड़े वाहनों से पेट्रोल व डीजल चोरी करने वाले बदमाशों के चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है ज्ञापन में राजेंद्र सचदेवा निवासी 129 स्कीम दो ने लिखा कि गुरुवार रात को अज्ञात बदमाश घर के बाहर खड़ी उसकी कार की नली काटकर पेट्रोल चोरी कर ले गए उसे शुक्रवार सुबह घटना का पता चला इससे पहले स्कीम दो में घरों के बाहर खड़े कई वाहनों से पेट्रोल में डीजल चोरी की वारदात हो चुकी है लेकिन यह वारदात थम नहीं रही इसके अलावा दो पहिया वाहन चोरी की वारदात भी हो रही है इससे कालोनी के लोगों में आक्रोश है उन्होंने थाना अधिकारी ने रात के समय कॉलोनी में पुलिस ग्रस्त व्यवस्था को मजबूत किए जाने की मांग की ज्ञापन देने वालों में राजेंद्र सचदेवा सुभाष गुप्ता प्रेम गांधी राजू बंगा आदि शामिल थे, स्कीम नंबर दो के नागरिकों ने गरीबों का सितारा न्यूज पेपर की टीम को बताया की अभी तक कोई पुलिस प्रशासन चेक करने तक नहीं आया घर के बाहर स्कूटर भी सरेआम चोरी कर ले जाते हैं एक खाली मकान का तो पूरा लोहे का गेट ही चोरी कर ले गए ऐसे में प्रशासन के ऊपर सवाल निशान है आखिर प्रशासन चोरी करने वाले अपराधियों को कब पकड़ेगी यह तो समय ही बताएगा, आज सुबह स्कीम नंबर दो के नागरिकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की कि जल्द से जल्द इन अपराधियों के खिलाफ करवाई की जाए नहीं तो उच्च अधिकारियों को शिकायत भेजी जाएगी कि अभी तक प्रशासन क्यों नहीं आया ।

चुनाव संपन्न : दी बार एसोसिएशन चौमूं के वार्षिक चुनाव 2023-24 सम्पन्न

विजय कुमार चौधरी बने दी बार एशोसिएशन चौमूं के अध्यक्ष

उपाध्यक्ष पद पर अजय सिंह नाथावत,महासचिव पद पर संदीप पारीक,कोषाध्यक्ष पद पर दिलीप सिंह यादव व पुस्तकालय सचिव पद पर राजेश फल्डोलिया ने लहराया जीत का परचम

सितारा न्यूज नेटवर्क

चौमूं (सुनील कुमार पाराशर)। दी बार एसोसिएशन चौमूं के वार्षिक चुनाव चुनाव 2023-24 शनिवार को शहर के थाना चौराहा स्थित कार्यालय तहसील परिसर चौमूं में शांतिपूर्ण तरीके से निर्विघ्न संपन्न हुए । इससे पूर्व निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता सुरेश चौधरी, संजय बिंवाल व रामावतार जांगिड़ की मौजूदगी में सुबह 8:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया । मतदान के पश्चात पूर्ण सुरक्षा इंतजामों के बीच मतगणना की जाकर परिणाम घोषित किए गए । जिसमें अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष अजय सिंह नाथावत ,महासचिव संदीप पारीक ,कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह यादव व पुस्तकालय सचिव राजेश फल्डोलिया को विजयी उम्मीदवार घोषित किया गया । बता दे कि अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी महेंद्र कुमार सैनी को 81 मतों से,उपाध्यक्ष अजय सिंह नाथावत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पवन कुमार शर्मा को 49 मतों से,महासचिव संदीप पारीक ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बद्रीनारायण परिहार को 85 मतों से,कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राहुल कुमार यादव को 45 मतों से व पुस्तकालय सचिव राजेश फल्डोलिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी नानूराम यादव को 224 मतों के भारी अंतर से हराकर जीत हासिल की है । साथ ही उन्होंने बताया कि दी बार एसोसिएशन चौमूं के संपन्न हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर 5,उपाध्यक्ष पद पर 3, महासचिव पद पर 4, कोषाध्यक्ष पद पर 2, पुस्तकालय सचिव पद पर 2 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे । मतदान के दौरान कुल 461 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था जिसमें अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में 3, उपाध्यक्ष के लिए हुए मतदान में 9, महासचिव के लिए हुए मतदान में 7, कोषाध्यक्ष के लिए मतदान में 14 व पुस्तकालय सचिव पद पर हुए मतदान में 11 मत निरस्त हुए । बता दें कि चुनाव परिणाम के बाद निर्वाचन अधिकारियों ने निर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई ।

विजय कुमार
अध्यक्ष

दी बार एसोसिएशन चौमूं का परिणाम एक नजर में

अध्यक्ष पद का परिणाम

प्रत्याशी	कुल प्राप्त मत
विजय कुमार चौधरी	191
संजय कुमार शर्मा	93
महेंद्र कुमार सैनी	110
दुर्गा शंकर शर्मा	51
हेमेंद्र शर्मा	13
निरस्त मत	03
कुल मत	461

उपाध्यक्ष पद का परिणाम

प्रत्याशी	कुल प्राप्त मत
अजय सिंह नाथावत	233
पवन कुमार शर्मा	184
सांवरमल शर्मा	35
निरस्त मत	09
कुल मत	461

अजय सिंह
उपाध्यक्ष

संदीप पारीक
महासचिव

दिलीप सिंह
कोषाध्यक्ष

महासचिव पद का परिणाम

प्रत्याशी	कुल प्राप्त मत
संदीप पारीक	203
बद्रीनारायण परिहार	118
कुंज बिहारी कुमावत	106
बनवारी लाल खर्रा	27
निरस्त मत	07
कुल मत	461

कोषाध्यक्ष पद का परिणाम

प्रत्याशी का नाम	कुल मत
दिलीप सिंह यादव	246
राहुल कुमार यादव	201
निरस्त मत	14
कुल मत	461

पुस्तकालय सचिव पद का परिणाम

राजेश फल्डोलिया 337, नानूराम यादव 113, निरस्त मत 11

विजयी प्रत्याशियों ने निकाला जुलूस

दी बार एसोसिएशन चौमूं के संपन्न हुए चुनाव परिणामों में विजयी रहे उम्मीदवारों का फूल मालाओं व पुष्प वर्षा से स्वागत करते हुए डीजे की धुन पर नाचते गाते कार्यालय तहसील परिसर से विजय जुलूस निकाला । विजय जुलूस बस स्टैंड होते हुए गढ़ गणेश मंदिर पहुंचा । जहां बिजली उम्मीदवारों में भगवान प्रथम पूज्य गणेश जी का आशीर्वाद लिया व भगवान गणेश को भोग लगाकर जुलूस में शामिल सभी अधिवक्ताओं का मुंह मीठा करवाया । विजय जुलूस का वापस कार्यालय तहसील परिसर पहुंचकर सम्पन्न हुआ ।इस दौरान बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता मौजूद रहे।

जयरामपुरा में खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। आमेर तहसील के जयरामपुरा राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय के खेल मैदान में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण, शहरी आलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ उप जिलाप्रमुख जयपुर मोहन डागर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। प्रतियोगिता की अध्यक्षता स्थानीय सरपंच जगदीश निठारवाल ने की। प्रतियोगिता की शुरूआत मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण करवाया। प्रतियोगिता में कुल 289 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाकर हिस्सा लिया जिसमें 26 टीमें भाग लेगी। इस अवसर पर सरपंच जगदीश निठारवाल, पंचायत समिति सदस्य भगवान सहाय जाबडौलिया, उप सरपंच गोकुल सेवदा, प्रधानाचार्य संतोष मीणा, मास्टर आनन्दीलाल,, खेल प्रभारी जगवीर सिंह, वांडपच मुरली डबास, रामफुल बुनकर प, सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि उप जिलाप्रमुख मोहन डागर रहे

गरीबों का सितारा में प्रकाशित खबर, लेख व विचार लेखकों एवं संवाददाताओं के अपने हैं इसमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सितारा न्यूज ब्रीफ

'हर घर तिरंगा अभियान' के अन्तर्गत प्रभात फेरी एवं वाहन रैली का हुआ आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

ब्यावर (अनिल सिखवाल) । स्वतंत्रता दिवस एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर केन्द्र सरकार प्रारम्भ किये गये "हर घर तिरंगा अभियान" के अन्तर्गत आमजन में जागरुगता हेतु शनिवार को प्रभात फेरी एवं वाहन रैली का आयोजन किया गया। वाहन रैली प्रधान डाकघर ब्यावर से प्रारम्भ होकर अजमेरी गेट, पांच बत्ती होते हुये चांग गेट से भगत चौराहा होते हुये पुनः ब्यावर प्रधान डाकघर पर समाप्त हुई ।वाहन रैली के दौरान स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने व आमजन में राष्ट्रीयता की भावता जागृत करने का आहवान किया गया। वाहन रैली के दौरान डाक कर्मचारियों में भारी जोश व उत्साह देखा गया एवं आम जनता काफी प्रभावित हुई जिससे डाकघर में तिरंगे की बिकी काफी बढी व बल्क ऑर्डर भी प्राप्त हुये ब्यावर मण्डल द्वारा सभी आमजन से 13 अगस्त से 15 अगस्त अपने-अपने घरो पर तिरंगा फहराकर देश की स्वतंत्रता के 76 वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव बड़े जोश एवं उत्साह से मनाने का आह्वान किया गया। तक सभीउक्त कार्यक्रम वी.एस. जैन, अधीक्षक डाकघर ब्यावर के सानिध्य में सम्पन्न हुआ व इस दौरान अजय कुमार, डाकपाल ब्यावर प्रधान डाकघर, पीयूष बंसल, कार्यवाहक निरीक्षक पदम दास, सहायक डाकपाल , महादेव प्रसाद मीणा, अरुण कुमार शर्मा, गोविन्द प्रसाद राव, भावना जांगिड तथा ब्यावर डाकघर व मण्डल कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरिफ खांन ने विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के गांवों में किया जनसंपर्क

बसपा के प्रदेश सचिव आरिफ खान पार्टी की ओर से हो सकते हैं संभावित विधायक प्रत्याशी

सितारा न्यूज नेटवर्क

बाड़ी/अंकित गोयल । बाड़ी विधानसभा क्षेत्र बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश सचिव एवं संभावित प्रत्याशी आरिफ खान ने विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के गाँवों में जनसंपर्क किया । जनसंपर्क के दौरान ग्राम वासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि क्षेत्रीय विधायक ने किसी भी गांव में पानी बिजली सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित है, आज भी कई गांव एवं वार्ड इन सुविधाओं से अछूते पड़े हैं उनकी ओर कोई भी सुध लेने वाला नहीं है कई बार अपने क्षेत्रीय विधायक के चक्कर लगाकर गांव के लोग अपने आप को बड़ा ही मजबूर एवं असहाय महसूस करते हैं ऐसा लगता है उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं कोई उनकी सुनने वाला नहीं गांव के लोग जाएं तो जाएं कहां अपने मन की पीड़ा को बताने के लिए आंखों में आशाएं भरकर समय का इंतजार कर रहे हैं ।आने वाले विधानसभा चुनाव में वह एक शिक्षित साफ स्वच्छ छवि का एवं जनता के बीच रहने वाला उनकी मन की पीड़ा को सुनने वाला होगा उसे ही अपना मत देकर विजई बनाएंगे । इस मौके पर किशन सिंह अजानिया ज़िला प्रभारी धौलपुर, अंचल सिंह बाड़ी विधानसभा अध्यक्ष एवं गांव के सभी लोग मौजूद रहे।

बच्चे शिक्षा के साथ अपने अंदर के हुनर को पहचाने -विनय हर्ष

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। मुरलीधर व्यास कॉलोनी स्थित एन्जैल इंग्लिश स्कूल मे एड्युकेशनल मोटिवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । एंकर और मोटिवेशनल गुरु विनय हर्ष ने सिरकत की । विनय सर ने बताया किस तरह से विद्यार्थी अपने आप को मोबाइल कि लत से दूर रख सकते है साथ साथ बहुत सारी ऐसी एक्टिविटी जिससे कि विद्यार्थी अपना सवार्गीण विकास कर सकता । विनय सर से बहुत सारे प्रश्नो का उत्तर देकर विद्यार्थियो कि जिज्ञाओ को शान्त किया । इस मौके पर शाला प्राचार्य महेश व्यास ने बताया कि शाला मे लगातार इस तरह के कार्यक्रमो का आयोजन होता है जिससे विद्याथीयो को देश का आर्दश नागरिक बनाया जा सके । श्री रामचंद्र जी और प्रकाश जी सर ने विनय सर का धन्यवाद व्यक्त किया और शाला की और से स्मृति चिन्ह देकर आभार प्रकट किया ।

प्रतियोगिता से शहरी और ग्रामीण इलाकों में अच्छा खेलने वाले को मिलेगा ईनाम

प्रतिभागी और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मिलेगा मौका : विधायक अवाना

सितारा न्यूज नेटवर्क

नदबई। राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का विघुल बज चुका है जिसका नदबई में शुभारंभ देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष व नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने मुख्य आतिथ्य में नदबई मुख्यालय पर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में किया। विधायक ने ज्ञान कि देवी सरस्वती मां की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित कर खेलों ध्वजारोहण कर खेल की घोषणा की और शपथ दिलाकर ओलंपिक खेलों का शुभारंभ किया वही, बरसात के मौसम में भी खिलाडियों का उत्साह देखने योग्य था वही एनसीसी कैंडेट ने ध्वजा और विधायक के सामने से परेड मार्च निकाला यह ओलंपिक खेल पूरे प्रदेश की 11,252 ग्राम पंचायतों एवं 538 नगरीय निकायों में एक साथ इन खेलों का आयोजन चल रहा है वही मौजूद विधालय के कर्मचरियों ने विधायक का माला साफा पहना कर और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया विधायक ने मौजूद खिलाड़ियों और लोगों को संबोधित करते

हुए कहा कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री महोदय ने और प्रदेश की सरकार ने ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का आज सी शुभारंभ किया है इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में अच्छा खेलने वाले युवाओं को आगे जाने का मौका मिलेगा वही विधायक ने कहा कि हमारी सरकार ने खिलाड़ियों के लिए बहुत ही अच्छी अच्छी जनकल्याणकारी योजना चला रखी है इस ओलंपिक खेलों में कबड्डी , शूटिंग बॉल, टेनिस बॉल , क्रिकेट,एथलेटिक, खो खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल और रस्साकशी का आयोजन किया जा रहा है वही नदबई में क्रिकेट के 20 मैच, कबड्डी के 20 मैच, बॉलीवुड के 5 और खो-खो के 6 मैच होने है नदबई में अब तक कबड्डी में 74

टीमों में 888, क्रिकेट में 83 टीमों में 1162, खो- खो में 31 टीमों में 372, वॉलीबॉल में 17 टीमों में 136, फुटबॉल में 13 टीमों 234 और बास्केटबॉल में 6 टीमों में 72 खिलाडियों सहित एथलेटिक्स में 3536 खिलाडियों का पंजीयन हो चुका लगभग 6400 खिलाडियों ने इस में भाग लिया है वहीं विधायक ने खेल के मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय कर उनका हौसला अफजाई किया और उनको उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की इस मौके पर तहसीलदार दिपा यादव, सीबीईओ मुकुट सिंह, अतिरिक्त सीबीईओ सुरेश भातरा, पुष्पा अशोक उपाध्याय, दिलीप सिनसिनवार, पार्षद फुलचंद गर्ग,नितिन अग्रवाल, हरिसिंह बादशाह, गुजरमल गुर्जर, मदनलाल विहारिया, पिंटा अरोड़ा सहित कई जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि उप जिलाप्रमुख मोहन डागर रहे

रामपुरा डाँबडी में हुआ ग्रामीण आलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। आमेर तहसील के ग्राम रामपुरा डाँबडी महात्मा गांधी राजकीय विधालय में राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण, शहरी आलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ उप जिलाप्रमुख जयपुर मोहन डागर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। प्रतियोगिता की अध्यक्षता स्थानीय सरपंच शैलैष बौहरा ने की। डागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिता से ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों से प्रतिभाएं निकल कर आयेगी। प्रतियोगिता की शुरूआत मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण करवाया। प्रतियोगिता में 529 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाकर उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर सरपंच शैलैष बौहरा, भगवान सहाय भदाला, वैध सीताराम जाँगिड, ओमप्रकाश शर्मा, उप सरपंच नारायण लाल प्रजापत, वांडपच भैरूराम, रेणु चौधरी, विधालय प्रधानाचार्य विष्णु कुमार जाँगिड, डॉ विमल कुमावत, ग्यारहसीलाल घोसल्या,राधाकिशन चोटिया, बनवारीलाल शर्मा, रामवतार सैनी, घासीलाल बुनकर, कजोडमल चौधरी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पुलिस थाना सोने का गुर्जा ने करीब 5 साल से फरार स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

सितारा न्यूज नेटवर्क

बाड़ी/अंकित गोयल। कार्यवाही विवरण मनोज कुमार आईपीएस पुलिस अधीक्षक धौलपुर के निर्देशन में व देवेन्द्र सिंह राजावत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ जिला धौलपुर एवं महेन्द्र कुमार आरपीएस वृत्ताधिकारी वृत बाडी के निकट सुपरबिजन में पुलिस थाना सोने का गुर्जा द्वारा वांछित अपराधियों के खिलाफ धरपकड का अभियान चलाया जा रहा है । थानाधिकारी शैलेन्द्र सिह उप निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस थाना सोने का गुर्जा पर टीम गठित कर न्यायालय वि० न्या० डकैती प्रभावित क्षेत्र धौलपुर से सरकार बनाम औतार, कोर्ट केस नं. 33 / 2019 एफआईआर नं. 180 / 2018 धारा 147, 148 149 353 307 आईपीसी 9 आरडीएए थाना सरमथुरा जिला धौलपुर में वांछित चल रहे आमदा स्थाई वारंटी औतार पुत्र कोकसिंह जाति गुर्जर उम्र 45 साल निवासी तोरे का सायपुर थाना सोने का गुर्जा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिस पर

पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेश क्रमाक 1877-89 दिनांक 23.06.2023 के आदेशानुसार 1000 रू का इनाम घोषित है। ईलाका हाजा में वांछित अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ का अभियान जारी है। कार्यवाही करने वाली टीम शैलेन्द्र सिहं उप निरीक्षक थानाधिकारी थाना सोने का गुर्जा, गिरीश कुमार, हरिओम, देवेन्द्र, थाना सोने का गुर्जा मौजूद रहे।

डकैत केशव गुर्जर गैंग का गुर्गा गिरफ्तार: पुलिस पर की थी फायरिंग

धौलपुर। सोने का गुर्जा थाना पुलिस ने शुक्रवार रात को 5 साल से फरार चल रहे कुख्यात डकैत केशव गुर्जर के साथी ओतार गुर्जर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पांच साल पहले पुलिस पर जानलेवा किया था। उस पर एसपी ने एक हजार रुपए इनाम घोषित किया था।थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात को इनामी बदमाश ओतार गुर्जर (45) पुत्र कोक सिंह गुर्जर निवासी तोरे का सायपुर के गांव में आने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करके देर रात को बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि वर्ष 2018 में सरमथुरा के तत्कालीन थाना प्रभारी अनूप सिंह की डकैत केशव गुर्जर गैंग से मुठभेड़ हुई थी। जिस मुठभेड़ में केशव के साथी ओतार गुर्जर ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। पुलिस पर की गई जानलेवा फायरिंग के बाद से ही बदमाश ओतार गुर्जर फरार चल रहा था।थाना प्रभारी ने बताया कि बदमाश की गिरफ्तारी को लेकर एसपी धौलपुर ने उस पर एक हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। शुक्रवार रात को सोने का गुर्जा थाना पुलिस को इनामी बदमाश के घर आने की सूचना मिली थी।

सीआईएस में सीपीआर ट्रेनिंग सत्र का आयोजन

सितारा न्यूज नेटवर्क

सीकर। सीएलसी इंटरनेशनल स्कूल में चल रहे शिक्षक क्षमता संवर्धन शिविर में सीपीआर ट्रेनिंग और योग सत्र का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल सुषमा भदौरिया ने बताया कि धोद ब्लॉक के शिक्षक क्षमता संवर्धन शिविर में वीके जैन हॉस्पिटल और लायंस क्लब सनराइज के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षकों और विद्यार्थियों को सीपीआर पद्धति से अवगत कराया गया । डॉक्टर एनडी मिश्रा ने आपातकालीन स्थिति में व्यक्ति की जान बचाने और जीवन रक्षक बनने संबंधी विभिन्न जानकारियां साझा की। लायंस क्लब सनराइज कि अधिकारी डॉक्टर संपति मिश्रा ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में हमें घबराना नहीं चाहिए क्योंकि हार्टअटैक पड़ने पर व्यक्ति की जान बचाने में सीपीआर पद्धति बहुत कारगर सिद्ध होती है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में हर घर योग अभियान को समर्थन देते हुए डॉ रजनी प्रभा और संजीव व्यास ने शिक्षकों को शारीरिक और मानसिक कुशलता बढ़ाने के लिए योग और प्राणायाम सिखाए। कार्यक्रम में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर वी के जैन ,प्रिंसिपल सुषमा भदौरिया ,एकेडमिक प्रिंसिपल पारुल जोशी, पीआरओ नरेंद्र राठौड़ ,धोद ब्लॉक प्राथमिक शिक्षा अधिकारी तरुण शर्मा के साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज.कराई ।कार्यक्रम में पधारे हुए सभी महानुभावों को स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्थानीय विधायक महोदय की पहल पर कई ग्राम पंचायतों में खेल ग्राउंड बनाने का काम जारी : प्रधान हिमांशु अवाना

सितारा न्यूज नेटवर्क

उच्चैन। राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का विघुल बज चुका है जिसका उच्चैन के गाँव सहना बहरारेखपुरा पिचुना में शुभारंभ उच्चैन के प्रथम निर्विरोध प्रधान हिमांशु अवाना के मुख्यआतिथ्य हुआ जिसकी अध्यक्षता उच्चैन नगर पालिका चेयरमैन विमला राजोरा ने की प्रधान ने ज्ञान की देवी सरस्वती मां की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित कर खेलों ध्वजारोहण कर खेल की घोषणा की और शपथ दिलाकर ओलंपिक खेलों का शुभारंभ किया पूरे प्रदेश की 11,252 ग्राम पंचायतों एवं 538 नगरीय निकायों में एक साथ इन खेलों का आयोजन चल रहा है वही ग्रामीणों और खिलाडियों ने अतिथियों का माला साफा पहना कर और गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया प्रधान हिमाशु ने मौजूद खिलाड़ियों और लोगों को संबोधित करते हुए कहा

कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री महोदय ने और प्रदेश की सरकार ने ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों में राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का आज सी शुभारंभ किया है इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में अच्छा खेलने वाले युवाओं को आगे जाने का मौका मिलेगा वही प्रधान ने कहा कि प्रदेश की सरकार खिलाड़ियों के लिए बहुत ही अच्छी अच्छी जनकल्याणकारी योजना चला रखी है इन योजनाओं में खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सीधे नौकरी पाने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं हमारे लोकप्रिय विधायक महोदय की अनुशंसा पर खिलाड़ियों के लिए हमारी ग्राम पंचायत स्तर पर भी कई खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं उनमें खिलाड़ी अभ्यास कर और भी अच्छा खेलने के

कार्य करेंगे प्रधान ने बताया कि इन ओलंपिक खेलों में कबड्डी , शूटिंग बॉल, टेनिस बॉल , क्रिकेट,एथलेटिक, खो खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल और रस्साकशी का आयोजन हो रहा है जिसमें 4500 शहर में व 11500 ग्रामीण क्षेत्र में खिलाडियों का पंजीयन हो चुका लगभग 6400 खिलाडियों ने इस में भाग लिया है वहीं प्रधान ने खेल के मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय कर उनका हौसला अफजाई किया और उनको उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की इस मौके पर विकास अधिकारी कृष्णकांत शर्मा, सीबीईओ गजेंद्र सिंह, प.स.स. जगदीश चतुर्वेदी, सहना सरपंच देवीराम, नवीन सरपंच,बहादुर सिंह मथुरिया, ओमवीर कुरका, मनोज भतरा, नरेश सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और खिलाडि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रमोद कुमार शर्मा के लिए पूजा प्रिंटर्स सी-4, सुदर्शनपुरा, इंडस्ट्रीज एरिया, जयपुर से मुद्रित एवं 23, गोपी नगर, नियर कुकरखेड़ा मंडी गेट शरद कांटा गली, मुरलीपुरा, जयपुर से प्रकाशित किया जाता है। संपादक प्रमोद कुमार शर्मा। पत्रों में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक एवं प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा। संपादक : प्रमोद कुमार शर्मा, मों. 8504812999 ई-मेल : Viksa.pramod999@gmail.com